डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

रूप चौदस की शुभकामनाएं

भोपाल, शनिवार, 07 नवंबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष - 14, 2083 | dopaharmetro epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 121 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

शुभ दीपावली... सांस्कृतिक मूल्यों को कमजोर न करे बाजार का बढ़ता प्रभाव



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

यूं तो मेरी निगाह में होली देश का सबसे बड़ा सामाजिक पर्व है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि जात-पांत, ऊंच-नीच और आर्थिक हैसियत की दीवारें काफी हद तक रंगों के इस उत्सव में पीछे छूट जाती हैं। भारतीय विविधता में एकता का संदेश देने वाला यह पर्व मुझे हमेशा सबसे ऊपर नजर आता है। लेकिन दीपावली की लोकप्रियता और महत्ता भी समय के साथ बढ़ती गई है। इसकी एक वजह बदलती अर्थव्यवस्था और बढ़ता उपभोक्तावाद भी है।

दीपावली ऐसा सनातनी पर्व है, जिसमें हर सामर्थ्यवान व्यक्ति अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार उपहार, मिठाई अथवा आर्थिक सहायता के माध्यम से उन लोगों की खुशियों में भागीदार बनता है, जिनकी आमदनी सीमित है। हालांकि इस पर्व का जिस तरह बाजारीकरण हुआ है, उसने छोटे-बड़े हर वर्ग की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने के रास्ते तलाश लिए हैं। अधिकांश लोगों ने इसे इस सोच के साथ स्वीकार भी किया कि इसी बहाने उन लोगों तक खुशियां पहुंचाने का अवसर मिलता है, जिनसे साल भर मिलना-जुलना संभव नहीं हो पाता। दरअसल, दीपावली की तैयारियां शारदीय नवरात्र से ही शुरू हो जाती हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी परंपराओं के अनुसार दुर्गा पूजा और प्रतिमा स्थापना होती है। नौ दिनों के इस उत्सव के बाद दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाकर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाता है। सनातनी समाज इसे भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध के रूप में देखता है। इसके बाद दीपावली पर चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की अयोध्या वापसी तथा श्रीराम के राज्याभिषेक की स्मृति में दीप जलाए जाते हैं। माता लक्ष्मी की पूजा समृद्धि और कल्याण की कामना के साथ होती है।

आतिशबाजी भी इस उत्सव का एक पारंपरिक हिस्सा बन गई है। हालांकि बढ़ती आबादी और पटाखों से होने वाले प्रदूषण को देखते हुए अदालतों के हस्तक्षेप के बाद इनके इस्तेमाल को सीमित करने की कोशिशें हुई हैं। इस पर पक्ष और विपक्ष में कई तरह के तर्क दिए जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण की चिंता अपनी जगह जायज है, लेकिन धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति सम्मान बनाए रखना भी जरूरी है।

समस्या तब पैदा होती है, जब यह पर्व खुशियों और आपसी सद्भाव के बजाय धन के प्रदर्शन का माध्यम बनने लगता है। आर्थिक हैसियत की प्रतिस्पर्धा, महंगे उपहारों की होड़ और अनावश्यक खरीदारी ने त्योहार के मूल भाव को कहीं-कहीं पीछे धकेल दिया है।

दीपावली का असली अर्थ केवल घरों को रोशन करना या बाजार से खरीदारी करना नहीं है। इसका संदेश है कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और बुराई पर अच्छाई की विजय हो। यदि हम इस मूल भावना को बचाए रख सकें तो बाजार का बढ़ता प्रभाव भी हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को कमजोर नहीं कर पाएगा। उम्मीद है कि दीपों का यह महापर्व बिना किसी विघ्न के संपन्न होगा और इसकी रोशनी समाज में सद्भाव, सहयोग और समरसता का उजाला फैलाएगी। **सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।**

(7000926381, rsirothia8@gmail.com)

आर्थिक उदारीकरण से बाजारवाद का विस्तार

यदि थोड़ा पीछे जाकर देखें तो राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के दौर में उपभोक्तावाद को गति मिली। इसके बाद 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा लागू आर्थिक सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार के लिए खोल दिया। आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण ने देश में अवसरों के नए दरवाजे खोले, जीवनशैली बदली और बाजार का विस्तार किया। लेकिन इसके साथ ही उपभोक्तावादी संस्कृति की ऐसी दौड़ भी शुरू हुई, जिसके दुष्प्रभाव अब सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर भी दिखाई देने लगे हैं। बाजार का प्रभाव बढ़ने के साथ त्योहारों को लेकर राजनीति और वैचारिक बहसें भी तेज हुई हैं। आस्था पर सवाल उठते हैं तो परंपराओं के नाम पर अतिवाद भी सामने आता है। ऐसे में समावेशी सनातन संस्कृति की मूल भावना को समझना अधिक जरूरी है। इस संस्कृति का संदेश किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि सर्वकल्याण और सबके साथ खुशियां बांटने का है।

कई इलाकों में AQI 400 के पार... बाहरी वाहनों और निर्माण पर रोक

दिल्ली की जहरीली हवा में सांस लेना दूभर, पांचवीं तक अब हाइब्रिड पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी

दीवाली के त्यौहार के पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। आज इंडिया गेट के आसपास AQI 380 दर्ज किया गया। कई इलाकों में यह 400 के पार चला गया है। नागरिकों को सांस लेने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हवा की क्वालिटी खराब होने के चलते दिल्ली-NCR में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान का तीसरा चरण (GRAP-III) लागू कर दिया गया है। यह वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लागू की जाने वाली एक आपातकालीन कार्य योजना है। जब हवा की गुणवत्ता बेहद खराब या गंभीर स्तर पर पहुंच जाती है, तब इसे लागू किया जाता है। दिल्ली में अब पांचवी कक्षा तक के स्कूलों में 'हाइब्रिड मोड' (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों) में पढ़ाई कराई जाएगी।



हवा की धीमी गति और मौसमी दशाओं के चलते प्रदूषक तत्व वातावरण में निचले स्तर पर जमे हुए हैं, जिससे स्थिति में जल्द सुधार की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों को सुबह के समय घरों से बाहर निकलने पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। प्रदूषण कम करने के लिए सभी प्रकार के निर्माण, खुदाई, तोड़फोड़ और सड़क निर्माण के कार्यों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। सिर्फ सरकारी बुनियादी ढांचे जैसे अस्पताल, मेट्रो या रेलवे के प्रोजेक्ट्स को छूट रहेगी। BS-III पेट्रोल और BS-IV डीजल हल्के मोटर वाहनों पर प्रतिबन्ध के साथ दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड डीजल से चलने वाले BS-IV और उससे पुराने कमर्शियल या मालवाहक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगाई गई है। सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में 50 फ़ीसदी क्षमता के साथ काम करने और बाकी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी गई है। बढ़ते प्रदूषण के साथ दिल्ली में ठंड की दस्तक भी महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम और शुक्रवार की तुलना में एक डिग्री सेल्सियस नीचे है।

सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में 50 फीसदी क्षमता के साथ काम करने की सलाह



एमपी में अब लगातार बढ़ेगी सर्दी

मध्य प्रदेश में दिवाली के साथ ठंड ने भी दस्तक दे दी है। शुक्रवार रात इंदौर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहडोल व दमोह में तापमान 12.2 डिग्री और भोपाल-पचमढ़ी में 12.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। अगले 4 दिन में तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट आएगी। रात का तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। प्रदेश के किसी भी हिस्से में फिलहाल तेज आंधी या बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। आसमान साफ रहने और धूप निकलने से दिन में मौसम सामान्य रह सकता है। हालांकि, शाम होते ही तापमान में गिरावट महसूस होगी। 15 नवंबर के बाद ठंड और तेज होने की संभावना है। उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं तापमान में गिरावट ला सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों को बदलते मौसम में सावधानी रखने की सलाह दी गई है।

गुरनूर ने झटके 5 विकेट

न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 135 का लक्ष्य



वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में 134 रन बनाए है। भारत को जीत के लिए 135 रन का टारगेट मिला है। गेंदबाजी की बात की जाए तो भारतीय तेज बॉलर गुरनूर बरार ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल, अशुल कंबोज और आकिब नबी को 2-2 सफलताएं मिलीं। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। बारिश के कारण मुकाबला करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और मैच को 47-47 ओवर का कर दिया गया।

अवकाश की सूचना

दीपावली के अवसर पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में रविवार 08 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अगला अंक सोमवार 09 नवम्बर को प्रकाशित होगा।

त्विषा शर्मा केस

हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं गिरिबाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो। त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में आरोपी पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर पीठ से जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है। इससे पहले चार नवंबर को हाई कोर्ट ने गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी। न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने मामले में जांच जारी होने और महत्वपूर्ण फोरेंसिक व डिजिटल साक्ष्य की रिपोर्ट लंबित होने को ध्यान में रखते हुए राहत देने से इनकार किया था।अदालत के अनुसार, इन रिपोर्टों से जांच में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। मामले में सीबीआइ की आगे की जांच भी जारी है।



सीएम का दिवाली मिलन समारोह



खेती और किसानी से समृद्ध हो रहे हम...

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीएम हाउस में आयोजित पत्रकार दीपावली मिलन समारोह में प्रदेशवासियों को दीप पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रदेश की समृद्धि पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मप्र कृषि बहुल राज्य है। यहां खेती और किसानी..दो शब्द ऐसे हैं, जो समृद्धि पैदा करते है। खेती, यानी अनिश्चितताएं, लेकिन इसमें जब किसानी जुड़ जाता है तो यह उन्नति लेकर आती है। खेती में किसान मौसम पर निर्भर है, जबकि किसानी में पशुपालन, मछली पालन आदि आते हैं। इससे किसान को दोनों ओर से फायदा मिलता है। यही कारण है कि प्रदेश दूध उत्पादन में भी नए आयाम स्थापित कर रहा है।

मिडिल ईस्ट तनाव

अमेरिका ने ईरान पर फिर किया हमला, एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाते हुए फिर नए सीमित हमले किए हैं। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे बेहद मामूली बताया। उन्होंने कहा कि ईरान ने छोटा एंटी-एयरक्राफ्ट उपकरण तैयार किया था, जिसे अमेरिकी सेना ने कुछ ही मिनटों में नष्ट कर दिया।



वहीं, ईरानी सरकारी मीडिया ने तेल परिवहन के लिए बेहद अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थित केशम द्वीप के सूजा इलाके में दो धमाकों की पुष्टि की है। यह सैन्य कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को भारी चुनावी झटका लगा है। युद्ध के कारण बढ़ी महंगाई और ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर मतदाताओं में उपजे असंतोष को इस हार का मुख्य कारण माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेक महिंद्रा के एशिया हेड की 9 गोलियां मारकर हत्या

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में टेक महिंद्रा कंपनी के एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि सेक्टर-21सी में पड़ोसी मोनू शर्मा ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उन पर करीब 15 राउंड फायरिंग की। परमजीत को 9 गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की जांच के मुताबिक मोनू का बेटा पार्किंग में अपने डॉग को पॉटी कराता था। परमजीत का परिवार इसी का विरोध कर रहा था। रात को इसी बात को लेकर उनकी बहस हुई। इसके बाद मोनू ने गोलियां चला दीं।



रोहित के घर फायरिंग करने वाला 'बॉक्सर' अमेरिका में पकड़ाया

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिकी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक वह अमेरिका से गैंग की गतिविधियां संचालित कर रहा था। बॉक्सर ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। साथ ही उसने सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो संदेशों के जरिए बॉलीवुड की कई हस्तियों को धमकियां दी थीं। उसके खिलाफ हत्या और धमकी देकर रंगदारी मांगने समेत कई मामले दर्ज हैं। हैरी बॉक्सर इन दिनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े उन नामों में शामिल है, जिन पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। उसका असली नाम हरि चंद जाट है।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

तीसरे प्रयास में झूंझनू की बेटी ने हासिल की एनडीए- 2026 में 9वीं रैंक

अग्निवीर में दो बार फेल, अब लेफ्टिनेंट बनेंगी रुचि पूनिया

जयपुर, एजेंसी

कई बार असफलता मिलने के बाद भी लक्ष्य से नजर नहीं हटाई जाए तो सफलता जरूर मिलती है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की रुचि पूनिया इसकी मिसाल बनकर सामने आई हैं। अग्निवीर एयरफोर्स भर्ती में दो बार लिखित परीक्षा देने के बावजूद मेडिकल परीक्षण में अनफिट होने वाली रुचि ने हिम्मत नहीं हारी और अब यूपीएससी की एनडीए 2026 परीक्षा में महिला वर्ग में ऑल इंडिया रैंक 9वीं हासिल कर सेना में अफसर बनने का रास्ता तय कर लिया है। रुचि जल्द ही पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला में ट्रेनिंग के लिए जाएंगी। ट्रेनिंग के बाद उन्हें कमीशन मिलेगा और वह भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में सेवाएं देंगी।



लिखित परीक्षा पर पूरा ध्यान

रुचि के पिता शबद प्रकाश पूनिया इंडो तिब्बत बॉर्डर फोर्स में डिप्टी कमांडेंट हैं और वर्तमान में अलवर में तैनात हैं। उनकी माता अखिलेश चौधरी निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। रुचि का कहना है कि NDA जैसी परीक्षाओं में सफलता के लिए उम्मीदवारों को सबसे ज्यादा ध्यान लिखित परीक्षा की तैयारी पर देना चाहिए। उनका मानना है कि मजबूत आधार और लगातार अभ्यास ही अंतिम सफलता की कुंजी है। इस बार एनडीए के के अंतिम परिणाम में कुल 617 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इनमें 551 पुरुष और 66 महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

मां बोलीं...बचपन से था देश सेवा का सपना

रुचि ने शुरुआती शिक्षा झुंझुनूं के इंडियन पब्लिक स्कूल से प्राप्त की। उच्च शिक्षा उन्होंने सुल्ताना स्थित नारायणी देवी कॉलेज में ली। रुचि की मां अखिलेश चौधरी ने बताती हैं कि उनका लक्ष्य शुरू से ही वर्दी पहनकर देश सेवा करना था। उन्होंने अग्निवीर एयरफोर्स भर्ती के लिए दो बार कोशिश की, लेकिन मेडिकल चरण में अनफिट घोषित कर दी गईं। यह झटका किसी भी युवा का मनोबल तोड़ सकता था, लेकिन रुचि ने इसे अपनी मंजिल का अंत नहीं बनने दिया। NDA परीक्षा पर पूरा फोकस किया और खुद को पहले से ज्यादा मजबूती के साथ तैयार किया। लेकिन संघर्ष जारी रहा और NDA परीक्षा में भी वह पहले दो प्रयासों में लिखित परीक्षा पास नहीं कर सकीं। पहली बार सिर्फ तीन अंकों और दूसरी बार आठ अंकों से चूक गईं। इसके बावजूद उन्होंने तैयारी जारी रखी। सीकर में रहकर उन्होंने तैयारी की। तीसरे प्रयास में लिखित परीक्षा और SSB दोनों चरण सफलतापूर्वक पार कर उन्होंने महिला वर्ग में नौवीं रैंक हासिल कर ली।



बगिया में बहार, इस बार मां लक्ष्मी का स्वागत अपने ही खेतों के फूलों से

भोपाल। कल दीपावली है। लोगों ने घरों में मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए फूल और मालाओं की खरीदारी शुरू कर दी है। पूरा बाजार रंग-बिरंगे फूलों की खुशबू से महक रहा है। व्यापारियों की मानें तो इस बार मंडी में बाहर से आने वाले फूलों के साथ स्थानीय क्षेत्रों से भी बड़े पैमाने पर फूलों की आवक हो रही है। रातीबड़ के खेतों में गेंदे की महक बिखर रही है। आईएस कॉलेज के सामने हर साल दीपावली के लिए गेंदे की खेती की जाती है। इस बार भी यहां फूल तैयार हैं। फिलहाल सात किलो फूलों का एक 'काउच' 350 रुपए में बिक रहा है। इस हिसाब से फूलों की कीमत 50 रुपए प्रति किलो बिक रही है। वहीं, बैरसिया में 42 किसान 26 हेक्टेयर से ज्यादा रकबे में गेंदा उगा रहे हैं। उद्यानिकी विभाग की मानें तो फूलों की खेती में भोपाल और आसपास के इलाके में लगातार वृद्धि दर्ज कीजा रही है। अब यहां सिर्फ गेंदा ही फूल की खेती ही नहीं की जा रही,बल्कि जरेरा, ग्लेडियोलस और गुलाब की ओर भी किसानों का रुझान बढ़ा है। इसी का नतीजा है कि खेती का रकबा भी बढ़ रहा है। उद्यानिकी विभाग के अनुसार तीन साल में ही फूलों की पैदावार भोपाल में करीब 39 फीसदी तक बढ़ी है।

फूल	वर्ष 2021-22 रकबा/पैदावार	वर्ष 2023-24 रकबा/पैदावार
जरेरा	02/20	10/71
ग्लेडियोलस	122/1399	161/160
गेंदा	250/3500	323/4700
गुलाब	154/3010	193/4202

रकबा हेक्टेयर में, पैदावार मीट्रिक टन में।

न्यूज विंडो

आयुष कॉलेजों में 3500 सीटें खाली, अब सीधे प्रवेश की तैयारी

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजी आयुष कॉलेजों में 3500 से अधिक सीटें खाली हैं। इन पर प्रवेश के लिए स्ट्रे वैकेंसी राउंड शुरू हो गया है। आयुष संचालनालय के अनुसार इस राउंड के लिए 4416 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है। मॉप-अप राउंड के बाद खाली बची सीटों पर प्रवेश का यह अंतिम मौका है। प्रवेश प्रक्रिया 18 नवंबर को होगी। संचालनालय ने कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि काउंसलिंग के अलावा किसी भी अभ्यर्थी को सीधे प्रवेश न दें। ऐसा करने पर संबंधित कॉलेज के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अनधिकृत प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर संस्थान की मान्यता रद्द होगी।

पिस्तौल लेकर घूम रहा शातिर बदमाश शप्पू पिस्तौल गिरफ्तार

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने शहर में अपना दबदबा बनाने और लोगों को डराने के लिए अवैध पिस्तौल लेकर घूम रहे शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से देसी पिस्तौल के अलावा दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। मुखबिर की सूचना पर सैफिया कॉलेज ग्राउंड से अशोका गार्डन निवासी 31 वर्षीय शफीक उल्ला उर्फ शप्पू पिस्तौल को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में मारपीट, अड़ीबाजी, अपहरण, डकैती के प्रयास, जहरीली शराब और अवैध हथियार रखने सहित 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ कमला नगर, गौतम नगर, रातीबड़, कोलार, कोतवाली, स्टेशन बजरिया और कोहेफिजा थानों में केस दर्ज हैं।

5.30 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर युवक को दबोचा

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने एमडी ड्रग की तस्करी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 5.30 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, इंद्र विहार कॉलोनी, लालघाटी निवासी राकेश यादव के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से चार पैकेट में रखी 5.30 ग्राम एमडी ड्रग मिली। पुलिस ने ड्रग जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह अपने दोस्त यश यादव निवासी बुधवारा से ड्रग लेकर आता था। इसके बाद इंद्र विहार, सनसिटी और सीटीओ के आसपास नशे के आदी लोगों को बेचता था। आरोपी ने खुद भी कभी-कभी एमडी ड्रग का सेवन करना कबूल किया है। पुलिस अब यश यादव और ड्रग खरीदने वाले लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

स्वामित्व योजना: कोटरा गांव पहली पंचायत, यहां 100% पट्टों की रजिस्ट्री

भोपाल। हुजूर विधानसभा क्षेत्र के कोटरा गांव में केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह भोपाल जिले की पहली पंचायत जहां स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री हुई हैं। धनतेरस पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने ग्राम कोटरा पहुंचकर पात्र हितग्राहियों को उनके मकान एवं संपत्ति के मालिकाना हक से संबंधित रजिस्ट्री के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वामित्व योजना गरीबों को संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान कर रही है। शर्मा ने इस कार्य को समयसीमा में पूरा करने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार जताया।

दीवाली पर मनमाने किराए पर लगाम लगाने में सिस्टम नाकाम

ट्रेनों में जगह नहीं, इसलिए बसों ने बढ़ा दिया 6 गुना तक किराया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

त्योहार को लेकर बड़ी संख्या में लोग भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों और गांवों में अपने परिवार के साथ दिवाली और छठ पूजा मनाने के लिए रवाना हो रहे हैं। इसके चलते रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई है। ट्रेनों में सामान्य और स्लीपर श्रेणी के कोचों में सबसे ज्यादा भीड़ नजर आ रही है। लंबी वेटिंग के कारण यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर चलने वाली यात्री बसों के किराए में 6 गुना तक बढ़ोतरी हो गई है।

सामान्य दिनों में अहमदाबाद से भोपाल का किराया 1200 है, जो अभी 5 हजार रुपए ऑनलाइन वसूला जा रहा है। भोपाल से ललितपुर तक का किराया ऑनलाइन 1500 दिखता है, लेकिन 10 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। जिलों में आरटीओ इसे रोकने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को ट्रैफिक अमले के साथ जिलों में सड़कों पर उतारा है, जो कि यात्रियों से किराए की पुष्टि करते हैं। बसों की फिटनेस, फायर सेफ्टी को चेक कर रहे हैं। ज्यादा किराया वसूली की शिकायतें इंदौर, उज्जैन से मिलने पर आरटीओ, ट्रैफिक पुलिस की गुरुवार रात से विशेष चेकिंग मुहिम शुरू हो गई है।



ऑल इंडिया परमिट वाली 12 बसें मप्र से गुजर रहीं, इनमें यूपी, दिल्ली जाने वाली भी

मध्यप्रदेश से ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली 12 हजार बसें मप्र से गुजरती हैं। इनमें नियमों के खिलाफ करीब 4 हजार बसें आईएसबीटी सहित प्रदेश के ही विभिन्न शहरों के बस स्टैंड से चल रही हैं। नियमानुसार बस स्टैंडों से सिर्फ स्टेट परमिट वाली बसें ही चल सकती हैं।

यूपी, दिल्ली वाली ट्रेनों में पैर रखने की जगह ही नहीं

दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों की भीड़ के चलते भोपाल से उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली ट्रेनों में भारी दबाव देखने को मिल रहा है। त्योहार के चलते ट्रेनों में सीटों की मांग बढ़ गई है। हालात यह हैं कि कुशीनगर, प्रतापगढ़ सहित उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली ट्रेनों के स्लीपर कोच यात्रियों से खचाखच भरे हैं। कई ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। आरक्षित टिकट होने के बावजूद यात्रियों को कोच में जगह के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं, वेटिंग टिकट वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

भोपाल से सागर रूट पर ही 100 रुपए ज्यादा वसूले

सागर के नरेंद्र सिंह ठाकुर भोपाल में रहते हैं। उन्होंने बताया कि सागर के लिए लेट नाइट बस में टिकट लिया। लेकिन किराया 100 रुपए ज्यादा वसूला। भीड़ इतनी है कि राहतगढ़ तक खड़े होकर ही सफर करना पड़ा। आगे जाकर सीट मिली।

किराया फिक्स है

स्टेट एमपी बस ओनर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र तनवानी का कहना है कि परमिट वाली बसों का किराया फिक्स है, उसी के अनुसार लिया जाता है। टूरिस्ट परमिट पर चलने वाली बसों का ऑनलाइन किराया हजारों में वसूला जा रहा है।

डायनेमिक किराए की शिकायत पर कर रहे कार्रवाई

टांसपोर्ट उमेश जोगा का कहना है कि डायनेमिक फेयर की शिकायत मिलने पर सभी आरटीओ को निर्देश दिए गए हैं कि लोकल ट्रैफिक अमले के साथ औचक चेकिंग करें और सख्त कार्रवाई करें। इस पर प्रदेशभर में कार्रवाई शुरू भी हो गई है। रही बात कम दूरी के यात्रियों को सीट न देने की तो ऐसी बसों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। इसके बाद भी यदि शिकायतें बढ़ी तो लाइसेंस कैंसिल भी किया जाएगा।

सीएम से मुलाकात के बाद हड़ताल खत्म, काम शुरू

7000 कर्मचारी ऑन ड्यूटी 72 घंटे की सफाई 13 घंटे में पानी से बाजारों की धुलाई



भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिछले 72 घंटे से गंदगी से पटी पड़ी राजधानी 13 घंटे में क्लीन हो गई है। कल रात से शुरू सफाई का दौर आज सुबह तक चला। न्यू मार्केट समेत बाजारों की पानी की धुलाई की गई तो रहवासी इलाकों में एकसाथ अमला उतरा। खास यह है कि हड़ताल के दौरान कोई भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि या अधिकारी ने मोर्चा नहीं संभाला, लेकिन जैसे ही हड़ताल खत्म हुई, सब बाजारों में सफाई करने में जुट गए। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने बताया कि दोपहर तक पूरी राजधानी को साफ कर देंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद कल रात से ही एकसाथ कर्मचारी मैदान में उतरे। पहले प्रमुख सड़कों व बाजारों से कचरा उठाया, फिर गली-मोहल्लों में सफाई की। महापौर राय ने बताया कि रातभर कर्मचारियों ने कचरा उठाया और सफाई की। आज सुबह हमारी टीम न्यू मार्केट, चौक बाजार समेत अन्य बाजारों में निरीक्षण किया।

न्यू मार्केट में धुलाई करते कर्मचारी।

मंत्री गौर की पहल से खत्म हुई हड़ताल

7000 से ज्यादा सफाईकर्मियों के हड़ताल पर जाने से भोपाल में पिछले 3 दिन से सफाई नहीं हुई थी। बाजारों से लेकर गली-मोहल्ले कचरे से पट गए थे। मंत्री कृष्णा गौर ने पहल की, यूनियन पदाधिकारियों को बुलाया। सीएम से मुलाकात कराई तो मांगें पूरी करने का भरोसा दिया। इसके बाद हड़ताल खत्म हो गई।

मादक पदार्थ बेचने की फिराक में थे दोनों आरोपी

ब्राउन शुगर के साथ इलेक्ट्रिक मिनी बस ड्राइवर और सप्लायर गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच ने ब्राउन शुगर तस्करी के मामले में एक इलेक्ट्रिक मिनी बस ड्राइवर और उसके कथित सप्लायर को गिरफ्तार किया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने गोविंदपुरा में कस्तूरबा अस्पताल के पास जहांगीराबाद निवासी प्रेम नारायण विश्वकर्मा उर्फ कल्लू (38) को हिरासत में लिया, जो कथित तौर पर किसी ग्राहक को ड्रग्स बेचने का इंतजार कर रहा था।

तलाशी के दौरान पुलिस ने विश्वकर्मा की जींस की जेब से संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरा पैकेट बरामद किया। पैकेजिंग समेत इस पदार्थ का वजन 41.17 ग्राम था। पुलिस ने पैकेट और उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।

मंडीदीप की धागा फैक्ट्री में मुलाकात..शुरू किया धंधा

पूछताछ के दौरान विश्वकर्मा ने कथित तौर पर बताया, रामसेवक मीणा से उसकी मुलाकात मंडीदीप की धागा फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। उसने उसे यह ड्रग सप्लाई किया था और भोपाल में इसे बेचने पर कमीशन देने की पेशकश की थी। विश्वकर्मा वर्तमान में शहर में इलेक्ट्रिक मिनी बस चलाता है। विश्वकर्मा की सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने जहांगीराबाद में सीआई कॉलोनी रोड से राजगढ़ जिले के कनेड गांव निवासी मीणा (35) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मीणा ने यह पदार्थ सप्लाई करने की बात कबूल कर ली है।

रिटायर्ड आईएएस हत्याकांड...वरुण के मददगारों की कुंडली खंगाल रही पुलिस

भोपाल। रिटायर्ड आईएएस अफसर राकेश अग्रवाल हत्याकांड में आरोपी वरुण कुमार की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस उसकी फरारी के दौरान मदद करने वालों की तलाश में जुट गई है। भोपाल से निकलने के बाद वरुण कई शहरों में घूमता रहा और लगातार ठिकाने बदलता रहा। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इतने दिनों तक वह किन लोगों के सहारे रहा। किसने उसे छिपने के लिए जगह दी। जांच का दायरा आरोपी के दोस्तों, रिश्तेदारों और परिचितों तक बढ़ाया है।

पुलिस पता लगा रही है कि फरारी के दौरान वरुण को किसी ने आर्थिक मदद दी थी या एक शहर से दूसरे शहर पहुंचने में सहायता की थी। उसके संपर्क में आए लोगों से पूछा जाएगा कि उन्हें रअग्रवाल की हत्या की जानकारी थी या अनजाने में उसकी मदद की।



राकेश अग्रवाल।



वरुण कुमार

दोस्त के मोबाइल से बहन को किया था फोन और पुलिस को इसी से मिल गया सुराग

पुलिस की जांच में सामने आया है कि वरुण ने फरारी के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल करने से परहेज किया था। हालांकि, एक बार उसने अपने दोस्त के मोबाइल से बहन को फोन किया था। यही कॉल उसकी गिरफ्तारी का अहम सुराग बनी। तकनीकी जांच के जरिए पुलिस दोस्त तक पहुंची और फिर वरुण की लोकेशन का पता लगाया। अब पुलिस उस दोस्त की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। जांच का अहम पहलू यह है कि क्या किसी ने जानबूझकर आरोपी को पनाह देकर पुलिस से बचाने की कोशिश की। ऐसे लोगों की भूमिका मिलने पर उनपर कार्रवाई की जाएगी।

13 करोड़ का मिला राजस्व

शुभ मुहूर्त में हुई 668 प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री

भोपाल। धनतेरस पर कल रजिस्ट्री कार्यालयों पर भी धन की बरसात हुई। दरअसल लोग आईएसबीटी, परी बाजार व बैरसिया रजिस्ट्री कार्यालयों पर शुभ मुहूर्तों के कारण खरीदी गई संपत्तियों की रजिस्ट्री कराने पहुंचे। इससे तीनों कार्यालयों में लोगों की भीड़ रही। यही कारण है कि आम दिनों की अपेक्षा तीन गुनी रजिस्ट्रियां होने से सरकार को 13 करोड़ रुपये का राजस्व आया। धनतेरस को देखते हुए लोगों को रजिस्ट्रियां कराने के लिए स्लॉट दिए गए थे। इसके साथ ही 11 सब रजिस्ट्रारों सहित कर्मचारियों को रजिस्ट्री कार्य में लगाया गया था। रजिस्ट्रार कार्यालय में कभी-कभार सर्वर धीमा चलने से थोड़ी-बहुत दिक्कतें आई, लेकिन रजिस्ट्री करने की प्रक्रिया चलती रही। धनतेरस पर 668 रजिस्ट्रियां हुईं।

मेट्रो एंकर तय अवधि में कार्यभार नहीं संभाला तो प्रमोशन रद्द माना जाएगा और दावा होगा समाप्त

महीनों किया इंतजार, अब जाकर 491 प्राचार्यों को मिले उनके स्कूल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग ने हाई स्कूल प्राचार्यों से हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य के पद पर पदोन्नत हुए 491 अधिकारियों के लिए पोस्टिंग आदेश जारी कर दिए हैं। इससे उन अधिकारियों के महीनों से चल रहे अनिश्चितता के दौर का अंत हो गया है, जिनका प्रमोशन सिर्फ कागजों तक सीमित था।

यह पोस्टिंग आदेश वल्लभ भवन से जारी हुआ है। इसमें उन अधिकारियों को उनकी नई संस्थाओं में तैनात किया गया है जिन्होंने पदोन्नति पर सहमति दी थी। पदोन्नत अधिकारियों को मप्र वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के तहत 15,600-39,100 रुपए के वेतनमान और 5,400 रुपए ग्रेड पे के साथ पे मैट्रिक्स लेवल 12 में रखा गया है।



..और बदल गया पे स्केल

2017 के तहत 15,600-39,100 रुपए के वेतनमान और 5,400 रुपए ग्रेड पे के साथ पे मैट्रिक्स लेवल 12 में रखा गया है।

जुलाई में 557 हाईस्कूल प्राचार्य किए गए थे पदोन्नत

विभाग ने पदोन्नत प्राचार्यों को आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर कार्यभार संभालने का निर्देश दिया है। आदेश में परिणाम स्पष्ट कर दिया गया है: यदि कोई अधिकारी निर्धारित अवधि के भीतर कार्यभार नहीं संभालता है, तो पदोन्नति रद्द मान ली जाएगी और उसका दावा समाप्त हो जाएगा। पोस्टिंग के खिलाफ किसी भी तरह के अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। पदोन्नत पद पर वरिष्ठता कार्यभार संभालने की तिथि से गिनी जाएगी। जुलाई से पोस्टिंग का इंतजार कर रहे प्राचार्यों को राहत मिली है। जुलाई में 557 हाई स्कूल प्राचार्यों को पदोन्नत किया गया था, जिनमें से 56 को पोस्टिंग नहीं मिल पाई और वे सेवानिवृत्त हो गए। शेष 491 के लिए अब पोस्टिंग आदेश जारी कर दिए गए हैं।

स्कूलों में शिक्षण मानकों और परीक्षाओं का प्रबंधन अब और बेहतर होगा

सरकार के इस कदम से हायर सेकेंडरी स्कूलों में खाली पड़े प्राचार्य पदों को भरने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसमें से कई लंबे समय से प्रभारी व्यवस्था के तहत काम कर रहे थे। नई पोस्टिंग से उन स्कूलों को नियमित नेतृत्व मिलेगा जो लंबे समय से बिना स्थायी प्राचार्य के संचालित हो रहे थे। पदोन्नत प्राचार्य अब अपने स्कूलों में शैक्षणिक व प्रशासनिक दोनों कार्यों का कार्यभार संभालेंगे। इसके साथ ही शिक्षण मानकों और परीक्षाओं से लेकर स्टाफ प्रबंधन और दैनिक कामकाज तक। संबंधित प्राचार्यों के लिए, यह पोस्टिंग आदेश पहले से मिले प्रमोशन का लाभ पाने के लंबे इंतजार को खत्म करता है। स्कूली व्यवस्था के लिए, अब ध्यान कक्षाओं की ओर केंद्रित हो गया है, जहां मजबूत नेतृत्व की लंबे समय से कमी थी।

हफ्तेभर से कई विभागों में कामकाज हो रहा प्रभावित

साइबर खतरा...अभी 5 दिन और 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइट रहेंगे बंद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर हमले के खतरे के चलते सरकार के 30 से अधिक विभागों के पोर्टल और वेबसाइट एक सप्ताह से बंद हैं। इनमें गवर्नमेंट प्रेस, जेल, रेवेन्यू, एनर्जी, इंडस्ट्री, सहकारिता, खनिज, खाद्य और सामाजिक न्याय विभाग शामिल हैं। मप्र कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (मप्र-सीईआरटी) की एडवाइजरी के बाद सुरक्षा जांच में कई वेबसाइटों पर पुराने पीएचपी वर्जन व आउटडेटेड सर्वर मिले हैं। संभावित हैकिंग और डेटा चोरी रोकने के लिए आईटी विभाग सुरक्षा पैच लगाने, तकनीकी ढांचा अपग्रेड करने व कुछ पोर्टलों को क्लाउड पर माइग्रेट करने में जुटा है। वेबसाइट बंद होने से राजस्व के काम, भर्ती व अधिसूचनाओं की जानकारी प्रभावित हो रही है। एक सप्ताह से इस पर काम चल रहा है। बताते हैं, 4-5 दिन और वेबसाइट बंद रहेंगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण सुरक्षा चुनौती बन गई

राज्य सरकार के इन्फॉरमेशन एंड टेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख सचिव एम सेलवेंद्रन का कहना है कि साइबर सुरक्षा की कमी दूर करने ओपन सोर्स वाले पीएचपी सॉफ्टवेयर पर बनी वेबसाइट को बंद कर सरकारी सुरक्षित बैंडविड्थ पर शिफ्ट किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण इनकी सुरक्षा बड़ी चुनौती बन गई हैं।

पीएम जनमन योजना : बैगा बस्तियों में पहुंची विकास की रोशनी

61 गांवों में जगमगाए घर, 1370 परिवारों को मिला कनेक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के दूरस्थ वनांचलों में बसे बैगा परिवारों के जीवन में अब विकास की नई रोशनी पहुंच रही है। जिन बस्तियों में वर्षों तक सूर्यास्त होते ही अंधेरा छा जाता था, वहां अब बिजली के बल्ब खुशहाली का उजाला बिखेर रहे हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के बैगा परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने की शुरुआत की है। अब इन परिवारों के बच्चे रात में भी रोशनी में पढ़ सकेंगे और ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों के लिए अंधेरे से जूझना नहीं पड़ेगा। शहडोल जिले के ग्राम सनौसी में 4.72 लाख रुपये की लागत से 26 बैगा परिवारों के घरों तक बिजली पहुंचाई गई है। वहीं, जिले के 61 गांवों में विद्युतीकरण का काम पूरा हो चुका है और 1370 हितग्राहियों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं।

ब्यौहारी जनपद पंचायत का दूरस्थ ग्राम सनौसी इस बदलाव की मिसाल बनकर सामने आया है। यहां स्थित बैगा टोले के परिवार लंबे समय से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। शाम ढलते ही पूरा टोला अंधेरे में डूब जाता था। बच्चों की पढ़ाई मिट्टी के तेल के दीयों और सीमित रोशनी के भरोसे थी। जंगल से सटे होने के कारण रात में सांप-बिच्छू और जंगली जीवों का खतरा भी बना रहता था। मोबाइल फोन चार्ज कराने तक के लिए ग्रामीणों को दूसरे गांवों का सहारा लेना पड़ता था। इन परेशानियों को दूर करने के लिए पीएम जनमन योजना के तहत सनौसी के बैगा टोले में लगभग 4 लाख 72 हजार रुपये खर्च कर विद्युतीकरण कराया गया।



बच्चों की पढ़ाई को मिलेगी नई दिशा

बिजली पहुंचने का सबसे बड़ा लाभ बच्चों की शिक्षा पर दिखाई देगा। पहले शाम होते ही पढ़ाई की मुश्किलें शुरू हो जाती थीं। पर्याप्त रोशनी नहीं होने से बच्चों को लिखने-पढ़ने में परेशानी होती थी। अब घरों में बिजली होने से वे रात में भी आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे। इसके साथ ही महिलाओं को घरेलू कामकाज निपटाने में सुविधा मिलेगी और रात के समय घरों तथा आंगन में रोशनी रहने से आवागमन भी आसान होगा। मोबाइल चार्जिंग की समस्या खत्म होने से ग्रामीण अपने परिजनों से आसानी से संपर्क कर सकेंगे। बिजली की उपलब्धता से भविष्य में छोटे घरेलू व्यवसाय, कुटीर उद्योग और कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावनाएं हैं।

जिले के 61 गांवों में पूरा हुआ विद्युतीकरण, 1370 को कनेक्शन

शहडोल जिले में बैगा परिवारों तक बिजली पहुंचाने के लिए योजना के तहत लगातार काम किया जा रहा है। विद्युत विभाग के अनुसार जिले के 61 गांवों में विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया गया है। इन गांवों में 1370 हितग्राहियों को बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके अलावा 137 गांवों के 1366 हितग्राहियों की सूची तैयार कर कार्ययोजना वरिष्ठ कार्यालय को भेजी गई है। इस तरह जिले के कुल 191 गांवों की कार्ययोजना वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित की जा चुकी है। शेष पात्र परिवारों तक भी बिजली पहुंचाने के लिए आगे काम किया जाएगा।

52वां उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत समारोह 13 से 15 नवंबर तक

भोपाल। पद्म विभूषण उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की स्मृति में संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा मैहर में 52वें संगीत समारोह का आयोजन 13 से 15 नवंबर, 2026 तक किया जा रहा है। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी 13 नवंबर को शाम 7 बजे इसका शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री और मैहर की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि मुख्य समारोह की पूर्व संध्या पर 12 नवंबर को पूर्वरंग का आयोजन होगा। इसमें स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकार भारतीय शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ देंगे। समारोह के तीनों दिन मुख्य प्रस्तुतियों से पूर्व मैहर वाद्य वृंद का वादन भी होगा। समारोह के पहले दिन 13 नवंबर को शाम 7 बजे सरोद और गायन की जुगलबंदी होगी।

मुख्यमंत्री यादव ने किया रजिस्ट्री योजना का शुभारंभ

पचास लाख परिवारों को मिलेगा मकान का पक्का मालिकाना हक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए इस धनतेरस पर खुशियों की नई सौगात आई। वर्षों से जिस मकान में परिवार रह रहे थे, जिस जमीन पर उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई लगाकर पक्के घर बनाए थे, अब उन संपत्तियों का कानूनी मालिकाना हक भी उन्हें मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना जिले के ग्राम करुआ से मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना का शुभारंभ करते हुए प्रदेश में 50 लाख निःशुल्क रजिस्ट्रियां कराने का लक्ष्य रखा है। इस पहल से ग्रामीण परिवारों को संपत्ति के पक्के दस्तावेज मिलेंगे और वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर बैंक से ऋण भी ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर करुआ के प्राथमिक विद्यालय का उन्नयन कर माध्यमिक विद्यालय बनाने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक ग्रामीण आबादी के मकानों का पंजीकृत दस्तावेज नहीं होने से परिवारों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लोग अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर मकान बनाते थे, लेकिन कानूनी दस्तावेज नहीं होने से बैंक भी उनकी संपत्ति के आधार पर ऋण देने से बचते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में स्वामित्व योजना के माध्यम से अब ग्रामीणों को उनके मकानों का वैधानिक अधिकार दिलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संपत्ति की रजिस्ट्री केवल मकान का दस्तावेज नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य की तरक्की का आधार है। जब ग्रामीण परिवारों के बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे और अपना अस्पताल, नर्सिंग होम या व्यवसाय शुरू करना चाहेंगे, तब बैंक से ऋण लेने में ये दस्तावेज महत्वपूर्ण साबित होंगे। अब ग्रामीण अपनी संपत्ति का उपयोग जरूरत के अनुसार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन गांवों में 80 से 100 प्रतिशत तक रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं, वहां मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से हितग्राहियों को दस्तावेज वितरित किए जा रहे हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।



किसानों की आमदनी बढ़ाने पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से खेती-किसानी को अधिक लाभकारी बनाने के लिए काम कर रही है। किसानों को कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि कोई किसान 25 गाय या भैंस खरीदने के लिए करीब 40 लाख रुपये का ऋण लेता है तो सरकार की ओर से 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। इससे किसान दूध उत्पादन बढ़ाकर सहकारी समितियों और अन्य माध्यमों से बिक्री कर सकेंगे। सरकार का उद्देश्य किसानों की आमदनी बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है।

हितग्राहियों के चेहरे पर दिखी मालिकाना हक की खुशी

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनके अनुभव जाने। जगदीश यादव, रामचित कुशवाहा और राकेश बाथम ने बताया कि पक्की रजिस्ट्री मिलने से अब उन्हें अपने मकानों का वास्तविक मालिकाना हक मिल गया है। वे जरूरत पड़ने पर इन दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण भी प्राप्त कर सकेंगे। हितग्राही अतर सिंह ने बताया कि उनकी करीब 89 हजार रुपये की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार ने उठाया है।

उत्कृष्ट काम करने वाले सम्मानित

मुख्यमंत्री ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। 200 से अधिक रजिस्ट्रियां कराने वाले पटवारियों के साथ तहसीलदार रवीश भदौरिया और घनश्याम शर्मा को भी सम्मान मिला। पटवारियों ने बताया कि ग्रामीणों को उनके मकान का पक्का मालिकाना हक दिलाने से उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिलती है।

पराली जलाने पर सख्ती बेअसर



708 घटनाओं के साथ देश में तीसरे नंबर पर प्रदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश में पराली जलाने पर प्रतिबंध के बावजूद खेतों में फसल अवशेष जलाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। राजधानी भोपाल के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर प्रदेश के दूसरे जिलों तक खेतों में पराली के ढेर जलाए जा रहे हैं। इससे उठने वाला धुआं वातावरण में प्रदूषण बढ़ा रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा पैदा कर रहा है। खेतों में आग लगाने की घटनाएं यह सवाल भी खड़ा कर रही हैं कि प्रतिबंध और जुर्माने के प्रविधान के बावजूद उन पर प्रभावी निगरानी और कार्रवाई क्यों नहीं हो पा रही है। भोपाल के 11 मील क्षेत्र के आसपास खेतों में पराली जलाने के कई मामले सामने आए। धान की कटाई और गहाई के बाद खेतों में बचे फसल अवशेषों को एक जगह इकट्ठा कर आग लगाई जा रही है। थ्रेसर से धान निकालने के बाद किसान पराली के ढेर जला रहे हैं। इससे उठने वाला धुआं आसपास के रिहायशी क्षेत्रों और सड़कों तक फैल रहा है। दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) की ओर से सेटेलाइट से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार, तीन नवंबर को मध्य प्रदेश में पराली जलाने की 94 घटनाएं दर्ज की गईं। इस मामले में प्रदेश सात राज्यों में तीसरे स्थान पर रहा। पंजाब में सबसे अधिक 584 और राजस्थान में 100 घटनाएं दर्ज की गईं।

एजेंसियों की मनमानी पर भी लगेगी लगाम

घर में केयरटेकर रखने कराना होगा पुलिस वेरिफिकेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

घर में बुजुर्ग, बीमार या अकेले रहने वाले लोगों की देखभाल के लिए केयरटेकर, नर्सिंग अटेंडेंट या घरेलू सहायक रखना अब पहले जितना आसान नहीं होगा। इन्हें उपलब्ध कराने वाली निजी एजेंसियों को हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा। साथ ही कर्मचारी का नाम, फोटो और पहचान संबंधी जानकारी पहले ही मरीज या उसके परिजनों को देनी होगी। कर्मचारी बदलने पर भी एजेंसी को परिजनों को इसकी जानकारी देना अनिवार्य होगा। शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और घरों में काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान को लेकर सुरक्षा चिंताओं के बीच भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने यह सख्ती की है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। यह आदेश अगले दो महीने तक प्रभावी रहेगा। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, घरों में उपचार करा रहे मरीजों, बुजुर्गों, दिव्यांगों, बच्चों और अकेले रहने वाले लोगों की देखभाल के लिए निजी एजेंसियों के माध्यम से कर्मचारी रखे जाते हैं। ये कर्मचारी घर के भीतर तक पहुंच रखते हैं। कई बार उन्हें घर के सामान, कीमती वस्तुओं और बैंकिंग से जुड़ी जानकारियों तक पहुंच मिल जाती है। ऐसे में कर्मचारी का सत्यापन नहीं होना या एजेंसी के पास उसका रिकॉर्ड नहीं होना गंभीर सुरक्षा खतरा बन सकता है। पुलिस के आदेश में चोरी, धोखाधड़ी, मारपीट, अवैध वसूली, यौन अपराध और बुजुर्गों के शोषण जैसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए एजेंसियों की जवाबदेही तय की गई है।



दूसरे जिले और प्रदेश के कर्मचारियों की भी होगी जांच

एजेंसियों को प्रत्येक कर्मचारी का पूरा नाम, जन्मतिथि, वर्तमान और स्थायी पता, मोबाइल नंबर, पहचान संबंधी दस्तावेज और हाल का फोटो संबंधित थाने में उपलब्ध कराना होगा। दूसरे जिले या राज्य के कर्मचारियों के पते की पुष्टि के लिए भी जरूरी कार्रवाई करनी होगी। पूर्व रोजगार और काम के अनुभव की जांच भी आवश्यकता के अनुसार की जा सकेगी। पुलिस ने केवल कर्मचारियों के सत्यापन तक ही जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी है। एजेंसियों को अपने कार्यालय का पूरा पता, अधिकृत फोन नंबर, ई-मेल और शिकायत अधिकारी का विवरण सार्वजनिक करना होगा। संस्था का पंजीयन या लाइसेंस भी कार्यालय में प्रदर्शित करना होगा। हर कर्मचारी का अलग रिकॉर्ड रखना होगा। इसमें नियुक्ति की तारीख, सेवा का प्रकार, वर्तमान कार्यस्थल, सेवा समाप्ति और कर्मचारी से जुड़ी दूसरी जानकारियां शामिल होंगी।

ग्वालियर-चंबल में अग्निवीर भर्ती के टूटे रिकॉर्ड

4 साल के कार्यकाल के बाद भी युवाओं में बढ़ा जोश, सेवाकाल बढ़ाने की खबर से बढ़ा उत्साह

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

सेना की वर्दी पहनने का सपना और देश की सेवा का जज्बा ग्वालियर-चंबल के युवाओं में हमेशा से रहा है। अग्निपथ योजना लागू होने के बाद जब चार साल के सेवाकाल को लेकर सवाल उठे और देशभर में विरोध हुआ, तब भी इस अंचल के युवाओं ने सेना में भर्ती होने की तैयारी नहीं छोड़ी।

विरोध के बीच भी भर्ती रैलियों में अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ती रही और चयन के आंकड़े नए रिकार्ड बनाते गए। अब अग्निवीरों का सेवाकाल दो साल बढ़ाकर छह साल किए जाने और 25 प्रतिशत को नियमित किए जाने की खबर ने इस उत्साह को दोगुना कर दिया है। तैयारी कर रहे युवाओं को अब देशसेवा के साथ सेना में लंबे समय तक बने रहने का बेहतर अवसर दिखाई दे रहा है। बाल भवन से लेकर मैदानों और सेना भर्ती की तैयारी कराने वाले प्रशिक्षण केंद्रों तक इस फैसले की चर्चा है। अग्निपथ योजना की शुरुआत में ग्वालियर-चंबल अंचल में भी इसका विरोध हुआ था। इसके बावजूद सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवाओं की संख्या में गिरावट नहीं आई। भर्ती के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। वर्ष 2023 में 21,646 अभ्यर्थियों में से 417 चयनित हुए, वहीं 2024 में 24,203 में से 900 और वर्ष 2025 में 32,708 में 1,600 का चयन हुआ। वर्ष 2026 में यह संख्या 46,050 तक पहुंच गई है। इस वर्ष का परिणाम अभी जारी होना बाकी है।



सेवाकाल और भविष्य को लेकर क्या होंगे बदलाव

अग्निवीरों के लिए प्रस्तावित बदलावों के अनुसार चार साल की सेवा पूरी होने पर 25 प्रतिशत को नियमित करने का अवसर मिलेगा, जबकि शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल अतिरिक्त सेवा का मौका मिलेगा। अतिरिक्त सेवा के दौरान पांचवें वर्ष में अधिकतम वेतन 43,500 रुपये और छठे वर्ष में 47,500 रुपये बताया गया है। छह साल की सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस में भी अवसर उपलब्ध कराने की बात कही गई है। अलग-अलग राज्यों में इनके लिए कोटा निर्धारित किया गया है।

पिछली बार मेरिट में चूके, इस बार चयन का भरोसा

19 वर्षीय राहुल तोमर मूल रूप से अंबाह के रहने वाले हैं और फिलहाल हजीरा में रहकर सेना भर्ती की तैयारी कर रहे हैं। वह पिछले साल भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए थे, लेकिन मेरिट में जगह नहीं बना पाए। इस बार फिर परीक्षा देने के साथ शारीरिक परीक्षा भी पूरी कर चुके हैं। राहुल कहते हैं कि चार साल के कार्यकाल में भी सेना में जाने का सपना नहीं छोड़ा था। अब सेवाकाल छह साल होने और बेहतर प्रदर्शन पर नियमित होने का अवसर मिलने से उत्साह बढ़ गया है।

एमपी के होमगार्डों के लिए खुशखबरी

2,790 को अपने गृह जिलों में मिलेगी पोस्टिंग, ऑनलाइन करना होगाआवेदन

भोपाल। राज्य शासन ने दीपावली पर 2,790 होमगार्डों को उनके प्रथम नामांकित जिलों में पदस्थापना का अवसर देने का निर्णय लिया है। इसके लिए मध्य प्रदेश होमगार्ड नियम 2016 के प्रविधानों में एक बार की विशेष छूट दी गई है। इसका लाभ सिंहस्थ 2016 भर्ती के बाद वर्ष 2018 की विशेष भर्ती के माध्यम से भर्ती हुए होमगार्डों को मिलेगा। होमगार्ड को प्रथम नामांकित जिलों में पद रिक्त नहीं होने के कारण उस समय दूसरे जिलों में पदस्थ किया गया था। इसके चलते ये लंबे समय से अपने गृह जिलों और परिवार से दूर रहकर सेवाएं दे रहे हैं। अब शासन ने होमगार्ड जिला इकाइयों में उपलब्ध वर्तमान रिक्तियों को देखते हुए उन्हें प्रथम नामांकित जिलों में पदस्थापना का मौका दिया है। महानिदेशक होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि पात्र होमगार्ड निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पदों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार पदस्थापना परिवर्तन किया जाएगा।

सिंहस्थ के लिए 189 करोड़ की रेल लाइन का विरोध, किसान बोले-

3-4 करोड़ की जमीन 60 लाख में नहीं देंगे

उज्जैन , दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन में प्रस्तावित 189 करोड़ रुपए की रेलवे बायपास परियोजना का किसानों ने विरोध शुरू कर दिया है। नईखेड़ी से चिंतामन तक 8.60 किमी लंबी रेल लाइन का सर्वे करने पहुंची टीम को किसानों ने घेर लिया। किसानों का आरोप है कि रेलवे ने 4-5 बार अलाइनमेंट बदला है। अब पांच गांवों के 85 सर्वे नंबरों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है। किसान मुआवजे से भी नाराज हैं।विरोध के चलते तहसीलदार, पटवारी और रेलवे अधिकारियों को बिना सर्वे लौटना पड़ा।

किसानों के मुताबिक, जमीन की बाजार कीमत 3-4 करोड़ रुपए प्रति बीघा है, जबकि 15 लाख रुपए की गाइडलाइन के हिसाब से चार गुना यानी करीब 60 लाख रुपए मुआवजा देने की बात कही जा रही है।



किसानों ने पहले अलाइनमेंट और मुआवजे का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की है। प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए दाउदखेड़ी, चिंतामन, मोहनपुरा, मंगरोला और उज्जैन कस्बा के 85 सर्वे नंबरों की जमीन चिह्नित की जा रही है। किसानों का कहना है कि शुरुआत में ऐसे रूट के विकल्पों पर विचार हुआ था, जिनमें कम जमीन का अधिग्रहण होता और निर्माण लागत भी कम आती। बाद में अलाइनमेंट बदला गया और अब पटरी उनके खेतों की ओर डाली जा रही है। किसानों को यह भी स्पष्ट नहीं है कि किसकी कितनी जमीन अधिग्रहित होगी।

कोर्ट में भी अलाइनमेंट को लेकर आपत्ति

किसानों ने रेलवे लाइन के अलाइनमेंट पर कोर्ट में भी आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि रेलवे अधिकारियों ने कोर्ट में जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा है। इसके बावजूद शुक्रवार को जमीन पर सर्वे शुरू कर दिया गया। किसान जीतसिंह फौजी ने कहा कि प्रशासन और रेलवे की टीम बिना पूर्व सूचना या नोटिस के सर्वे करने पहुंच गई। किसानों को यह भी नहीं बताया गया कि टीम किस विभाग की है और किस आदेश के तहत कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर — सरकार ने शुरू किया 'हर घर दिवाली' अभियान

जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई जाएंगी घरेलू उपयोग की वस्तुएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपावली पर हर घर रोशन हो, हर चेहरे पर मुस्कान हो और कोई भी परिवार त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे। इसी मानवीय सोच के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने एक बार फिर 'हर घर दिवाली' अभियान शुरू किया है। प्रदेश सरकार के आनंद विभाग के अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान की इस पहल का उद्देश्य संपन्न परिवारों के घरों में अनुपयोगी पड़ी उपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाना है, ताकि उनकी दीपावली भी खुशियों और रोशनी से जगमगा सके। अभियान के तहत नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अपनी आवश्यकता से अधिक उपलब्ध वस्तुओं को जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा करें। इसमें नए अथवा अच्छी स्थिति के कपड़े, बच्चों के सामान, घरेलू उपयोग की सामग्री, दीपक, सजावटी वस्तुएं और खाद्य सामग्री शामिल हैं। अभियान की खास बात यह है कि इसमें मदद के लिए बड़ी आर्थिक राशि खर्च करने की जरूरत नहीं है। घरों में ऐसी कई उपयोगी वस्तुएं होती हैं, जिनका इस्तेमाल अब परिवार नहीं करता, लेकिन वे किसी जरूरतमंद के लिए बेहद काम की साबित हो सकती हैं। इन्हीं वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाकर उनके जीवन में खुशियां लाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से शहरों की संसाधन-विहीन बस्तियों में रहने वाले परिवारों तक सहयोग पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। संस्थान की कोशिश है कि समाज का प्रत्येक वर्ग इस पहल से जुड़े और सामर्थ्य के अनुसार योगदान दे।

राज्य आनंद संस्थान वर्ष 2020 से लगातार इस अभियान का संचालन कर रहा है। इस वर्ष भी संस्थान से जुड़े आनंदक, मास्टर ट्रेनर, जिला कार्यक्रम प्रमुख, जिला संपर्क व्यक्ति, सहयोगी और आनंद क्लब के पदाधिकारी अभियान को जनभागीदारी का रूप देंगे। ये लोग व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर नागरिकों से संपर्क कर जरूरतमंद परिवारों की पहचान करेंगे। इसके बाद स्थानीय स्तर पर उपयोगी वस्तुएं एकत्रित कर संबंधित परिवारों तक पहुंचाई जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य केवल सामग्री बांटना नहीं, बल्कि समाज में एक-दूसरे की मदद करने की संस्कृति विकसित करना भी है।



दूसरों की दीपावली रोशन करना ही सच्चा आनंद : आर्य

राज्य आनंद संस्थान के निदेशक सत्य प्रकाश आर्य ने कहा कि दीपावली केवल अपने घर को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाने का अवसर है। हमारे घरों में मौजूद अतिरिक्त वस्तुएं किसी दूसरे परिवार के लिए बेहद उपयोगी हो सकती हैं। यदि हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार थोड़ा-सा सहयोग करे तो अनेक जरूरतमंद परिवारों की दीपावली खुशहाल बन सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी खुशियों में जरूरतमंदों को भी सहभागी बनाएं। अभियान के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और परस्पर अपनत्व की भावना मजबूत होगी। संस्थान का संदेश है कि इस दीपावली ऐसा प्रयास करें कि आसपास कोई भी घर खुशियों से वंचित न रहे। अपनी जरूरत से अधिक वस्तुएं साझा कर दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही आनंद बांटने का सबसे बड़ा उत्सव है।

उम्मीद की नई रोशनी

दीपावली केवल दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि अंधकार के बीच उम्मीद की लौ जलाने का भी पर्व है। इस बार केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण फैसला हजारों अग्निवीरों के लिए इसी उम्मीद का संदेश लेकर आया है। चार वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद सेना से बाहर होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो वर्ष का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का निर्णय उनके भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अब उन्हें नियमित सैनिक बनने के लिए अपनी योग्यता साबित करने का एक और अवसर मिलेगा। दरअसल, अग्निपथ योजना को लेकर सबसे बड़ी चिंता उन युवाओं के भविष्य की थी, जो चार वर्ष तक कठिन सैन्य प्रशिक्षण और अनुशासित सेवा के बाद सेना से बाहर होने वाले थे। मूल व्यवस्था में केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में शामिल करने का प्रावधान था। शेष युवाओं के सामने रोजगार और करियर की नई राह तलाशने की चुनौती थी। दूसरी ओर, सेना भी ऐसे प्रशिक्षित जवानों को खो देती, जिन्होंने चार वर्षों की सेवा में व्यावहारिक अनुभव हासिल किया था। नए फैसले से इन दोनों चुनौतियों का समाधान तलाशने की कोशिश हुई है। अतिरिक्त दो वर्ष सेना को अनुभवी मानव संसाधन उपलब्ध कराएंगे, वहीं अग्निवीरों को अपनी दक्षता, अनुशासन, शारीरिक क्षमता और तकनीकी कौशल साबित करने के लिए अधिक समय मिलेगा। आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति में तकनीकी रूप से दक्ष और अनुभवी जवानों की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। कुछ आलोचक इसे सरकार पर बढ़ते दबाव का परिणाम या नीतिगत यू-टर्न बता सकते हैं, लेकिन किसी योजना में अनुभव और परिस्थितियों के आधार पर सुधार करना कमजोरी नहीं, बल्कि व्यावहारिक सोच का परिचायक है। यदि पहले बैच के प्रदर्शन और सेना की आवश्यकताओं के आकलन के बाद यह बदलाव किया गया है, तो इसे सकारात्मक नीतिगत अनुकूलन के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि, अतिरिक्त सेवा विस्तार स्थायी नियुक्ति की गारंटी नहीं है। चयन योग्यता और निर्धारित सैन्य मानदंडों के आधार पर ही होगा। फिर भी, यह फैसला अग्निवीरों के मन में भविष्य को लेकर भरोसा जगाने वाला है। आखिरकार, राष्ट्र की सुरक्षा और युवाओं के सपनों के बीच संतुलन कायम करना ही किसी भी सैन्य सुधार की असली कसौटी है।

दीपावली का बही-खाता... लिखी जाएगी आर्थिक प्रगति की नई कहानी



आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

लक्ष्मी पूजन के साथ नए वर्ष का आर्थिक संकल्प केवल धन-संपत्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। सौर और परमाणु ऊर्जा, आधुनिक उद्योग, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तथा कौशल विकास में निवेश से भारत रोजगार और समृद्धि की नई इबारत लिख सकता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में कूटनीति तथा राष्ट्र की आर्थिक शक्ति दिखाकर सही मायने में भारत के आर्थिक विकास के लिए नई रोशनी के रास्ते खोल दिए हैं। तभी तो 2047 में आत्म निर्भर भारत का लक्ष्य पूरा हो सकेगा ।

दीपावली भारत का ऐसा पर्व है, जिसमें धार्मिक आस्था, सामाजिक परंपरा और आर्थिक गतिविधियां एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं। सदियों से व्यापारी वर्ग लक्ष्मी पूजन के अवसर पर पुराने बही-खातों का समापन कर नए वर्ष के लिए खाते खोलता आया है। शुभ-लाभ लिखकर नए कारोबार, निवेश, उत्पादन और आर्थिक उन्नति की कामना की जाती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति आशा और परिश्रम का संकल्प भी है।



आज जब भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, तब दीपावली का नया बही-खाता देश की आर्थिक संभावनाओं और चुनौतियों पर विचार करने का अवसर देता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा आबादी, तकनीकी प्रतिभा और उद्यमशीलता की क्षमता है। ऊर्जा, विनिर्माण, स्टार्टअप, लघु उद्योग और कौशल विकास ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक दिशा तय करने की ताकत है। किसी भी अर्थव्यवस्था की प्रगति के लिए पर्याप्त और सस्ती ऊर्जा अनिवार्य है।भारत ने पारंपरिक ऊर्जा के साथ नवीकरणीय ऊर्जा में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। जुलाई 2026 तक देश की गैर-जीवाश्म ऊर्जा आधारित स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 300 गीगावाट से अधिक हो चुकी थी। इसमें सौर ऊर्जा का योगदान सबसे बड़ा है। यह उपलब्धि भविष्य के लिए उत्साहजनक है। सौर ऊर्जा भारत के लिए केवल पर्यावरण संरक्षण का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक अवसरों का नया क्षेत्र भी है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की पहल ने आम नागरिकों को भी ऊर्जा उत्पादन से जोड़ने का रास्ता खोला है। गांवों में सौर पंप, कृषि आधारित सोलर परियोजनाएं, छोटे उद्योगों के लिए रूफटॉप सोलर और बड़े सोलर पार्क बिजली उत्पादन के साथ रोजगार भी पैदा कर सकते हैं।सोलर पैनल, इनवर्टर, बैटरी, केबल और अन्य उपकरणों का घरेलू निर्माण बढ़ाना भी जरूरी है। इससे भारत केवल सौर ऊर्जा इस्तेमाल करने वाला देश नहीं, बल्कि इसके उपकरणों का बड़ा उत्पादक और निर्यातक बन सकता है।

परमाणु ऊर्जा भी भारत के दीर्घकालीन ऊर्जा भविष्य का महत्वपूर्ण आधार है। सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर हैं, जबकि परमाणु ऊर्जा निरंतर बिजली उपलब्ध कराने में सहायक है। सरकार ने 2047 तक परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 100 गीगावाट करने का लक्ष्य रखा है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास के लिए भी 20,000 करोड़ रुपये के न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की घोषणा की गई है। इससे भारी उद्योगों को स्थिर बिजली मिलने के साथ इंजीनियरिंग, अनुसंधान, उपकरण निर्माण और तकनीकी सेवाओं में रोजगार बढ़ सकता है। हालांकि परमाणु सुरक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा।ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का अर्थ केवल नए बिजलीघर बनाना नहीं है। बैटरी भंडारण, स्मार्ट ग्रिड, बिजली ट्रांसमिशन और वितरण व्यवस्था का आधुनिकीकरण भी उतना ही आवश्यक है।

भारत की आर्थिक शक्ति बढ़ाने के लिए विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार जरूरी है। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण, ऑटोमोबाइल, दवाइयां और मशीनरी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भारत घरेलू मांग पूरी करने के साथ वैश्विक बाजार में भी अपनी जगह बना सकता है।चीन पर निर्भरता कम करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के बीच भारत के सामने एक बड़ा अवसर है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानी पीएलआई योजनाओं के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने की कोशिश हुई है। इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश और 14 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार मिले हैं ।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी आर्थिक पूंजी है। स्टार्टअप इंडिया ने इस दिशा में नई सोच पैदा की है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि तकनीक, डिजिटल सेवाओं, वित्तीय तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में युवा नए कारोबार शुरू कर रहे हैं।मार्च 2026 तक देश में 2.23 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे, जिनसे 23 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए थे। यह केवल बेंगलुरु, दिल्ली या मुंबई की कहानी नहीं होनी चाहिए। इंदौर, भोपाल, जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, रायपुर और दूसरे छोटे शहरों में भी स्थानीय जरूरतों पर आधारित स्टार्टअप विकसित हो सकते हैं।कृषि उत्पादों का ऑनलाइन कारोबार, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण स्वास्थ्य, पर्यटन, सौर उपकरण और स्थानीय उद्योगों के लिए डिजिटल सेवाएं नए उद्यमों के अच्छे क्षेत्र हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। कपड़ा, चमड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, मशीनरी, ऑटोमोबाइल के पुर्जे और अनेक उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में इनकी बड़ी भूमिका है।सरकार की मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, क्रेडिट गारंटी योजनाओं और विश्वकर्मा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन इन समस्याओं को कम कर रहा है।किसानों को कृषि प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज, डेयरी, मत्स्य पालन और बेहतर परिवहन सुविधाओं से जोड़ना होगा। इससे कृषि उत्पादों का मूल्य बढ़ेगा और गांवों में नए उद्योग स्थापित होंगे। दीपावली पर व्यापारी जब नए बही-खाते में शुभ-लाभ लिखता है, तो उसके पीछे मेहनत, विश्वास और भविष्य की आशा होती है। भारत की अर्थव्यवस्था के नए बही-खाते में भी कुछ महत्वपूर्ण संकल्प दर्ज होने चाहिए। पहला, ऊर्जा सुरक्षा के लिए सौर, पवन, जल और परमाणु ऊर्जा में निवेश बढ़े तथा बिजली वितरण व्यवस्था आधुनिक बने।दूसरा, विदेशी निवेश के साथ घरेलू उद्योगों और भारतीय तकनीक को मजबूत किया जाए।तीसरा, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को वित्तीय सहायता, तकनीक और बाजार उपलब्ध कराकर रोजगार निर्माण का केंद्र बनाया जाए।चौथा, कौशल विकास को शिक्षा और उद्योगों से जोड़ा जाए, ताकि युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि रोजगार योग्य और उद्यमी बनें।पांचवां, सरकारी योजनाओं की सफलता का मूल्यांकन घोषणाओं से नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश, उत्पादन, रोजगार और आम नागरिक की आय में वृद्धि से हो।

यदि आने वाले वर्षों में ऊर्जा के नए स्रोत, आधुनिक उद्योग, सफल स्टार्टअप, मजबूत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग और प्रशिक्षित युवा एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तो भारत की आर्थिक प्रगति केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में दिखाई देगी। इस दीपावली पर देश के नए आर्थिक बही-खाते में सबसे महत्वपूर्ण प्रविष्टि यही होनी चाहिए–निवेश बढ़े, उत्पादन बढ़े, रोजगार बढ़े और समृद्धि का लाभ हर भारतीय तक पहुंचे। यही विकसित भारत की दिशा में सच्चा शुभ-लाभ होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मिट्टी के दीये जलाएं... परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश



डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा भी अब सिमटती जा रही है। उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइटों, झालरों और अन्य कृत्रिम रोशनी ने ले ली है। यह बदलाव केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित नहीं कर रहा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए आवश्यक है कि हम दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा पटाखों से परहेज करने का संकल्प लें।

दीपावली का पर्व मिट्टी के दीयों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति और आस्था में रचा-बसा त्योहार है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से कार्तिक मास की अमावस्या को दीपोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। मिट्टी के दीये जलाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव का भी प्रतीक है।



पिछले दो दशकों में कृत्रिम रोशनी का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपनी पारंपरिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली पर बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों का प्रयोग बढ़ा है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण, पशु-पक्षियों, बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है।

इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का परंपरागत व्यवसाय धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। एक समय था जब दीपावली आने से कई सप्ताह पहले लोग कुम्हारों को दीयों के ऑर्डर दे दिया करते थे। उनके परिवार के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके दीये तैयार करते थे। भले ही उनकी आमदनी बहुत अधिक नहीं होती थी, लेकिन अपनी कला और परंपरा को जीवित रखने का उत्साह उनमें अवश्य रहता था।

आज स्थिति बदल गई है। मिट्टी के दीयों की मांग घटने से कुम्हारों का उत्साह भी कम हुआ है। अनेक परिवार अपने पुश्तैनी व्यवसाय से दूर होकर दूसरे रोजगार अपनाने को मजबूर हैं। दीपावली पर अब कई घरों में केवल प्रतीकात्मक रूप से दो-चार मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं, जबकि अधिकांश सजावट इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और झालरों से की जाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारी छोटी-सी पहल किसी कारीगर के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। मिट्टी के दीये खरीदकर हम न केवल अपनी संस्कृति को बचाते हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देते हैं।

मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा का अपना अलग सौंदर्य और महत्व है। सरसों के तेल से जलते दीये की लौ मन को एक विशेष शांति और आत्मीयता का अनुभव कराती है। दीये की सादगी और उसकी प्राकृतिक सुंदरता का मुकाबला कृत्रिम रोशनी नहीं कर सकती। मिट्टी के दीये स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प से जुड़े होते हैं। हालांकि पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका उपयोग करते समय तेल, बाती और अन्य संसाधनों का भी विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए।

हमारी संस्कृति केवल दीये जलाने तक सीमित नहीं है। इसमें घरों की स्वच्छता, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ बाँटना, पड़ोसियों और जरूरतमंदों को उपहार देना तथा आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखना भी शामिल है। दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे घर के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुँचे।

आज की युवा पीढ़ी को विशेष रूप से इस दिशा में जागरूक होने की आवश्यकता है। संस्कृति और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। उन्हें चाहिए कि वे इलेक्ट्रॉनिक सजावट के साथ-साथ मिट्टी के दीयों को भी प्राथमिकता दें। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय संगठनों के माध्यम से मिट्टी के दीयों के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

आइए, इस दीपावली हम सभी संकल्प लें कि अपने घरों में मिट्टी के दीये जलाएँगे, स्थानीय कुम्हारों से दीये खरीदेंगे, पटाखों से परहेज करेंगे और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाएँगे। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति, परंपरा, श्रम और आत्मनिर्भरता के प्रतीक हैं। इन्हें अपनाकर हम अपनी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचा सकते हैं। याद रखिए, दीपावली की असली रोशनी बिजली की झालरों में नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों की लौ, आपसी प्रेम और मानवता के उजाले में है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

अस्थमा के मरीजों के लिए फ्लू का संक्रमण हो सकता है गंभीर खतरा



मौसम में बदलाव के साथ सर्दी, खांसी और फ्लू का संक्रमण बढ़ने लगता है। आमतौर पर लोग इसे सामान्य मौसमी बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अस्थमा के मरीजों के लिए यह लापरवाही भारी पड़ सकती है। इंफ्लूएंजा यानी फ्लू का वायरस सांस की नलियों में सूजन बढ़ाकर अस्थमा की परेशानी को गंभीर बना सकता है। कुछ मामलों में इससे अस्थमा का तेज दौरा और निमोनिया जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं।

अस्थमा में फेफड़ों तक हवा पहुंचाने वाली सांस की नलियां पहले से संवेदनशील और सूजी हुई होती हैं। धूल, धुआं, ठंडी हवा और एलर्जी के कारण इनमें सिकुड़न आ सकती है। फ्लू का वायरस शरीर में पहुंचने पर प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय होता है और सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है। इससे हवा का आवागमन मुश्किल होने लगता है। मरीज को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होने लगती है। सांस के साथ सीटी जैसी आवाज आना, सीने में भारीपन और लगातार खांसी इसके संकेत हो सकते हैं। सामान्य लक्षणों के साथ सांस संबंधी परेशानी भी बढ़ सकती है। अचानक बुखार, ठंड लगना, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और थकान फ्लू के सामान्य लक्षण हैं। इसके अलावा कुछ संकेत अस्थमा के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। सामान्य से ज्यादा खांसी और सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आना। सीने में जकड़न और सांस फूलने की परेशानी बढ़ना। रात में खांसी या सांस की तकलीफ से बार-बार नींद खुलना। सामान्य से अधिक बार रिलीवर इनहेलर की जरूरत पड़ना। थोड़ी शारीरिक गतिविधि करने पर भी सांस लेने में परेशानी होना।

बचाव के लिए क्या करें: अस्थमा के मरीज अपनी निर्धारित दवाएं और इनहेलर नियमित लेते रहें। डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं बंद न करें। फ्लू से बचाव के लिए वार्षिक फ्लू टीके के बारे में डॉक्टर से सलाह लें।

निशाना

दूर तक उजाला जायेगा...



ब्रजकिशोर पटेल

उजियारे को सदा संभाला जायेगा।
अंधियारे को दूर निकाला जायेगा।।
दीप मन के द्वार जो बाला गया।
दूर तक उसका उजाला जायेगा।।
जल उठेंगे दीप माँ की आंख में।
बच्चा जिस दिन पाठशाला जायेगा।
दीप प्रहरी बन खड़े सीमाओं पर।
शौर्य को दिल में उबाला जायेगा।।
खेत है दीपक उजाला फसल का।
पसीने का तेल डाला जायेगा।।
नफरतों ने रौंदा है जिस माटी को।
प्रेम के दीपक में ढाला जायेगा।।
जगमगा उट्ठेगा चेहरा देश का।
दीप दिल दिल्ली में बाला जायेगा।।

वायरल कंटेंट

बच्चों ने शरीर से बनाया विशाल दीपक, ड्रोन से दिखा अद्भुत नजारा

रंग-बिरंगी यूनिफॉर्म में मैदान में सजे नन्हे सितारे, किसी ने बनाई दीपक की लौ तो किसी ने तैयार किया आधार, सोशल मीडिया पर खूब हो रही तारीफ दीपावली का त्योहार हो और रोशनी, रंगों व रचनात्मकता की बात न हो, ऐसा संभव नहीं है। इस बार सोशल मीडिया पर स्कूली बच्चों की एक ऐसी अनोखी कलाकारी चर्चा में है, जिसे देखकर चेहरे पर मुस्कान आना तय है। बच्चों ने अपनी सूझबूझ, मेहनत और एकजुटता से कुछ ऐसा कर दिखाया कि पूरा मैदान एक विशाल दीपक में बदल गया। इस खूबसूरत नजारे का वीडियो ड्रोन कैमरे से बनाया गया है, जो लोगों का ध्यान खींच रहा है।



वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बड़े खुले मैदान में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एकत्र हुए हैं। मैदान में पहले से ही चाक की मदद से विशाल दीपक की रूपरेखा बनाई गई है। इसके बाद बच्चे अपनी-अपनी निर्धारित जगह पर पहुंचकर बैठने लगते हैं। सभी ने अलग-अलग रंगों की यूनिफॉर्म पहन रखी है। कोई लाल कपड़ों में है तो कोई नीले और पीले रंग की पोशाक में नजर आता है। बच्चे पूरे अनुशासन के साथ अपनी जगह लेते हैं और धीरे-धीरे एक खूबसूरत आकृति आकार लेने लगती है।

इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि बच्चों ने अपनी यूनिफॉर्म के रंगों का इस्तेमाल बेहद रचनात्मक तरीके से किया है। नीले कपड़े पहने बच्चों ने दीपक का निचला हिस्सा बनाया, लाल रंग की यूनिफॉर्म वाले बच्चों ने बीच का हिस्सा तैयार किया, जबकि पीले कपड़ों में बैठे बच्चों ने दीपक की लौ का आकार बनाया।

इस वीडियो की खूबसूरती सिर्फ विशाल दीपक की आकृति तक सीमित नहीं है। इसमें बच्चों का अनुशासन, आपसी तालमेल और सामूहिक प्रयास भी दिखाई देता है। इतने सारे बच्चों का एक साथ अपनी जगह पर पहुंचना और बिना किसी गड़बड़ी के आकृति तैयार करना उनकी तैयारी और मेहनत को दर्शाता है।

सोशल मीडिया पर मिल रही तारीफ: यह वीडियो इंस्टाग्राम पर @udaan_school_shivpur नाम के पेज से साझा किया गया है। वीडियो सामने आने के बाद लोग बच्चों के हुनर और सामूहिक प्रयास की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स को यह आयोजन बेहद अनूठा और प्रेरणादायक लगा। यह वीडियो बताता है कि बच्चों की कल्पनाशक्ति को सही दिशा और मिलकर काम करने का अवसर मिले तो वे कुछ भी रचनात्मक कर सकते हैं। इस दीपावली बच्चों ने सिर्फ दीपक नहीं बनाया, बल्कि एकता और सहयोग का खूबसूरत संदेश भी दिया है।

कंज्यूमर गाइड

नल खोलते ही मिलेगा गर्म पानी, बिना टैंक वाला गीजर उपयोगी और किफायती

पानी गर्म होने का इंतजार खत्म, कम जगह में फिट होने वाला गीजर 2500 से 12000 रुपए तक उपलब्ध; खरीदने से पहले जान लें इसकी खूबियां और सीमाएं

सर्दियों में गर्म पानी के लिए गीजर चलाकर इंतजार करना अक्सर परेशानी भरा होता है। खासकर सुबह के समय जब सभी को नहाने या दूसरे कामों के लिए गर्म पानी चाहिए। लेकिन अब बाजार में ऐसे गीजर भी उपलब्ध हैं, जिनमें पानी जमा करने के लिए कोई टैंक नहीं होता। इन्हें टैंकलेस या इंस्टेंट गीजर कहा जाता है। इनकी खासियत है कि नल खोलते ही पानी गर्म होना शुरू हो जाता है। आकार में छोटे होने के कारण ये कम जगह घेरते हैं और छोटे बाथरूम या रसोई के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।



टैंकलेस गीजर कैसे करता है काम: पारंपरिक गीजर में पानी पहले टैंक में जमा होता है और फिर हीटिंग एलिमेंट उसे गर्म करता है। इसके विपरीत टैंकलेस गीजर में पानी स्टोर नहीं होता। जैसे ही नल खोला जाता है, अंदर लगा फ्लो सेंसर पानी के बहाव को पहचानकर हीटिंग सिस्टम चालू कर देता है। पानी एक शक्तिशाली हीटिंग एलिमेंट या हीट एक्सचेंजर से गुजरता है और कुछ ही सेकंड में गर्म हो जाता है। नल बंद करते ही सेंसर हीटिंग बंद कर देता है। इस तरह पानी केवल जरूरत के समय गर्म होता है।

कीमत और क्षमता का रखें ध्यान: भारत में सामान्य टैंकलेस गीजर की कीमत लगभग 2500 से 5000 रुपए तक होती है। इनकी क्षमता आमतौर पर 3 से 4.5 किलोवाट के बीच होती है। वहीं अधिक क्षमता वाले प्रीमियम मॉडल 6000 से 12000 रुपए तक मिल सकते हैं। खरीदते समय केवल कीमत नहीं, बल्कि बिजली की क्षमता, पानी गर्म करने की गति और कंपनी की वारंटी भी देखें। अधिक किलोवाट वाला मॉडल पानी को तेजी से गर्म कर सकता है, लेकिन उसकी बिजली की मांग भी ज्यादा होगी।

किन जगहों पर ज्यादा फायदेमंद: छोटे बाथरूम, रसोई और ऐसे घर जहां गर्म पानी की जरूरत सीमित मात्रा में होती है, वहां टैंकलेस गीजर उपयोगी हो सकता है। बर्तन धोने, हाथ-मुंह साफ करने और कम मात्रा में गर्म पानी लेने के लिए यह अच्छा विकल्प है। जिन घरों में बड़े गीजर लगाने की जगह नहीं है, वहां भी इसे लगाया जा सकता है। हालांकि, एक साथ कई नलों पर गर्म पानी चाहिए तो इसकी क्षमता पर्याप्त होना जरूरी है। अगर परिवार छोटा है, जगह कम है और थोड़ी-थोड़ी मात्रा में तुरंत गर्म पानी चाहिए तो टैंकलेस गीजर अच्छा विकल्प है। लेकिन बड़े परिवार, लंबे समय तक नहाने और एक साथ कई जगह गर्म पानी इस्तेमाल करने के लिए स्टोरेज गीजर अधिक सुविधाजनक हो सकता है।

बाघ-चीतों की दहाड़ से गुलजार हुआ दुर्गावती टाइगर रिजर्व, पर्यटकों की उमड़ी भीड़

सफारी शुरू होते ही बढ़ा रोमांच, वयस्क बाघों की संख्या 30 पार, चीतों की मौजूदगी ने राष्ट्रीय स्तर पर दिलाई नई पहचान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (वीडीटीआर) की तस्वीर तेजी से बदल रही है। कभी जहां बाघों का दीदार दुर्लभ माना जाता था, वहां अब पर्यटकों को लगभग हर सफारी में बाघ, बाघिन और शावक नजर आ रहे हैं। सफारी शुरू होने के बाद पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हिनौती और बीना गेट पर सैलानियों की अच्छी-खासी आमद रही।

रिजर्व में पर्यटकों के आकर्षण की सबसे बड़ी वजह बाघों की बढ़ती संख्या और चीतों की मौजूदगी है। यहां वयस्क बाघों की संख्या 30 पार पहुंच चुकी है,



जबकि दर्जनों शावक भी मौजूद हैं। चीते, बाघ और तेंदुए जैसे मांसाहारी वन्यजीवों का एक साथ रहवास इस रिजर्व को विशिष्ट पहचान दे रहा है। पर्यटकों को जंगल में वन्यजीवों के दीदार से रोमांचक अनुभव मिल रहा है। वहीं, नीलगाय, चीतल, हिरण और काले हिरण भी सागर मार्ग पर दिखाई देने लगे हैं। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से होटल, वाहन, गाइड और स्थानीय बाजार को भी लाभ मिल रहा है। प्रबंधन का जोर पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ वन्यजीव संरक्षण पर है।

बाघों के दीदार ने बढ़ाया सफारी का रोमांच

वीडीटीआर में अब पर्यटकों को घंटों जंगल में भटकने के बाद भी निराश नहीं लौटना पड़ता। अधिकांश सफारी में बाघ, बाघिन और शावकों को प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते देखने का मौका मिल रहा है। कई पर्यटक इन रोमांचक पलों को मोबाइल कैमरों में कैद कर रहे हैं। रिजर्व में वयस्क बाघों की संख्या 30 से अधिक हो चुकी है, जबकि दर्जनों शावक भी हैं। चीतों की आमद ने इसकी लोकप्रियता और बढ़ा दी है। चीता, बाघ और तेंदुए की मौजूदगी इसे वन्यजीव प्रेमियों के लिए खास आकर्षण बना रही है।

हिनौती में 159, बीना गेट पर पहुंचे 90 पर्यटक

हिनौती गेट पर सफारी के लिए 32 वाहन संचालित हुए। यहां कुल 159 पर्यटक पहुंचे, जिनमें 53 महिलाएं, 95 पुरुष और पांच वर्ष से अधिक उम्र के चार बच्चे शामिल रहे। वहीं, पांच वर्ष से कम उम्र के सात बच्चे भी सफारी पर पहुंचे। बीना गेट पर अक्टूबर 2025 में आठ भ्रमण दिवस में आठ वाहनों से केवल 33 पर्यटक आए थे। इस बार 16 भ्रमण दिवस में 21 वाहनों से 90 पर्यटक पहुंचे और 42,240 रुपये की आय हुई। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से रिजर्व के साथ स्थानीय कारोबार को भी नई गति मिल रही है।

सिरोंज : पांच हाईमास्ट लाइटों से जगमगाए चौराहे और सब्जी मंडी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दीपोत्सव की खुशियों के बीच सिरोंज शहर को रोशनी की नई सौगात मिली है। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने गुरुवार रात नगर पालिका जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में करीब 16.27 लाख रुपए की लागत से स्थापित पांच हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण किया। 40 फीट ऊंची इन लाइटों के शुरू होने से शहर के प्रमुख चौराहों और सब्जी मंडी परिसर में रोशनी की बेहतर व्यवस्था होगी।

रोहिलपुरा चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने स्विच दबाकर लाइटों का शुभारंभ किया। इनमें रोहिलपुरा



चौराहा, वलेजा पेट्रोल पंप तिराहा, पंचकुइयां स्थित गंगेश्वर-जमनेश्वर मंदिर तिराहा और बस स्टैंड स्थित पंडित लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति सब्जी मंडी परिसर की दो हाईमास्ट लाइटें शामिल हैं। विधायक ने कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था से नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सुरक्षा भी बढ़ेगी। सब्जी मंडी में देर रात तक छोटे व्यापारियों को कारोबार करने में सहूलियत होगी।

न्यूज विंडो

रंगोली, दीपों की रोशनी से सजा तारादेही स्कूल, छात्राओं ने बिखेरी की चमक



तारादेही। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तारादेही में दीपावली के उपलक्ष्य में दीपोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक अभिरुचि का अनूठा संगम देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से आकर्षक और रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाकर विद्यालय परिसर को सजाया। विद्यालय की ओर से रंगोली बनाने के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मिट्टी के दीये प्रज्वलित कर परिसर को रोशनी से जगमगा दिया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगों की खूबसूरत छटा और दीपों की जगमगाहट से पूरे विद्यालय में दीपावली जैसा माहौल बन गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ भारतीय परंपराओं और संस्कृति के प्रति जुड़ाव विकसित करना रहा। कार्यक्रम में प्राचार्य केएल चौकसे सहित अनिल साहू, अतुल जैन, नंदराम यादव, तुलसीराम रजक आदि स्टाफ उपस्थित रहा।

उपहारों से रोशन हुई जरूरतमंद बच्चों की दीपावली, वासुदेव स्कूल ने बांटी खुशियां



गंजबासौदा। दीपावली की खुशियां अपनों के साथ जरूरतमंदों तक पहुंचाने की अनूठी पहल वासुदेव-द फ्यूचर प्राइड स्कूल ने की। गुरुवार को विद्यालय में 'आओ खुशियां बांटें' दीपावली उत्सव आयोजित किया गया। इसमें निम्न आय वर्ग के परिवारों के बच्चों को उनकी पसंद के नए कपड़े और मिठाई के डिब्बे भेंट किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय की डायरेक्टर रीतिका अरोरा ने बताया कि विद्यालय में प्रतिवर्ष यह आयोजन किया जाता है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी दीपावली पूरे उत्साह और उमंग के साथ मना सकें। विधायक हरिसिंह रघुवंशी सहित उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का भी बखूबी निर्वहन कर रहा है। कार्यक्रम में युवा संगीतकार एवं गायक अतुल गुप्ता का सम्मान भी किया गया। संचालन पत्रकार रविन्द्र जैन ने किया। इस अवसर पर एसडीओपी शिखा भलावी, केंद्रीय विद्यालय प्राचार्य सुमन सिंह, डॉ. विमलचंद ओसवाल, सतीश अग्रवाल, विजय अरोरा, रंजीता सिंह, वंदना तिवारी सहित अन्य अतिथि, विद्यालय प्राचार्य पूजा लोधी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

15 वार्डों की सफाई व्यवस्था ठप, सात सूत्रीय मांगों को धरने पर बैठे कर्मचारी

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से तेंदूखेड़ा में गंदगी का अंबार, दीपावली पर बिगड़े हालात

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दीपावली के त्योहार से ठीक पहले तेंदूखेड़ा नगर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। प्रदेशव्यापी आह्वान पर नगर परिषद के सभी सफाई कर्मचारी शुक्रवार से सात सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों के काम बंद करने से नगर के सभी 15 वार्डों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगने लगे हैं। मुख्य बाजार, सड़कों और गलियों में गंदगी फैलने से नागरिक परेशान हैं। नालियों की सफाई नहीं होने से दुर्गंध के साथ संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है।

हड़ताली कर्मचारियों ने जबलपुर बस स्टैंड पर टेंट और पंडाल लगाकर धरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि लंबे समय से मांगें उठाने के बावजूद शासन की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

इधर, त्योहार के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ के बीच सफाई व्यवस्था ठप होने से नगरवासियों की चिंता बढ़ गई है। लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से जल्द समाधान निकालने और वैकल्पिक व्यवस्था से सफाई शुरू कराने की मांग की है। अब प्रशासन के सामने हड़ताल समाप्त कराने के साथ नगर की स्वच्छता व्यवस्था बहाल करने की बड़ी चुनौती है।



सात सूत्रीय मांगों पर अड़े सफाई कर्मचारी

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की है। कर्मचारियों ने जबलपुर बस स्टैंड पर टेंट और पंडाल लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि प्रदेश स्तर पर लंबे समय से मांगों को शासन के सामने रखा जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। बार-बार अनदेखी होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक काम पर वापस नहीं लौटेंगे। फिलहाल धरना जारी है और प्रशासन से बातचीत के जरिए समाधान निकलने का इंतजार किया जा रहा है।

त्योहार की रौनक पर गंदगी का साया

दीपावली पर बाजारों में खरीदारी और लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में नगर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहना जरूरी है, लेकिन तेंदूखेड़ा में हालात इसके उलट हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से 15 वार्डों में कचरा जमा होने लगा है। मुख्य मार्गों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। नियमित कचरा उठाव और नालियों की सफाई नहीं होने से दुर्गंध फैल रही है। नागरिकों को आशंका है कि यदि हड़ताल लंबी चली तो दीपावली के दौरान संक्रमण का खतरा और बढ़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक सफाई व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

धनतेरस पर बाजार में उमड़ी खरीदारों की भीड़, बर्तनों की जमकर हुई खरीदी



गंजबासौदा। धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बाजार में ग्राहकों की आवाजाही शुरू हो गई, जो देर रात तक जारी रही। धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते बर्तनों की दुकानों पर विशेष रौनक देखने को मिली। लोगों ने अपनी जरूरत और सामर्थ्य के अनुसार स्टील, पीतल, तांबे सहित विभिन्न धातुओं के बर्तनों की जमकर खरीदी की।

शहर के मुख्य बाजारों में स्थित बर्तनों की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों का पहुंचना शुरू हो गया था। थाली, कटोरी, गिलास, लोटे, चम्मच, कुकर, कढ़ाई सहित रसोई में उपयोग होने वाले विभिन्न सामानों की मांग रही। कई परिवारों ने धनतेरस पर नए बर्तन खरीदकर परंपरा का निर्वहन किया। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए दुकानों पर विभिन्न प्रकार के बर्तनों की आकर्षक रेंज उपलब्ध कराई थी। धनतेरस पर केवल बर्तनों की दुकानों पर ही नहीं, बल्कि सराफा, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, पूजन सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। लोगों ने दीपावली पूजन के लिए लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, दीपक, पूजन थालियां तथा घरों को सजाने के लिए आकर्षक सामग्री खरीदी। त्योहारी खरीदारी के चलते मुख्य बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। परिवार सहित बाजार पहुंचे लोगों ने शुभ मुहूर्त में खरीदारी की। ग्राहकों की अधिक आवाजाही के कारण कई स्थानों पर यातायात का दबाव भी देखने को मिला।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने नवीन वस्त्र बांटकर किया दीपोत्सव का शुभारंभ



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गौ संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के गौ सेवा प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कामधेनु दीपावली मनाई जा रही है। इसी क्रम में नवीन वस्त्र, पटाखे, मिठाई एवं गौमय दीपकों का वितरण कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि दीपावली सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं और उनके आदर्श मानवता का संदेश देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युवा नेता श्याम पाल सिंह रघुवंशी ने समाज से नशा, प्रदूषण और जाति-पंथ के भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। समाजसेविका प्रीति रघुवंशी ने सामाजिक सद्भाव और समरसता पर जोर देते हुए पानी बचाने, प्लास्टिक हटाने, पौधरोपण और स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि चतर सिंह लोधी ने सभी से अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील की।

आग में राख हुई दुकानों को फिर खड़ा करने आगे आए विधायक, पीड़ित व्यापारियों को दिए 75 हजार

विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने तीन दुकानदारों को 25-25 हजार की तत्काल मदद दी, भाजपा नेता रोहित भावसार ने भी दिए 30 हजार; नुकसान का सर्वे कराकर प्रशासनिक सहायता दिलाने के निर्देश

गंदबासौदा। दोपहर मेट्रो

पटाखा बाजार में हुए भीषण अग्निकांड ने तीन दुकानदारों की दीपावली की खुशियों को मातम और आर्थिक संकट में बदल दिया। आग में तीनों दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित व्यापारियों को राहत पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी और भाजपा नेता रोहित भावसार आगे आए। शुक्रवार को विधायक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात की और उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की।

विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने तीनों प्रभावित दुकानदारों को 25-25 हजार रुपए के हिसाब से कुल 75 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। वहीं भाजपा नेता रोहित भावसार



ने भी तीनों दुकानदारों को 10-10 हजार रुपए के हिसाब से कुल 30 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की। इस तरह अग्निकांड पीड़ित व्यापारियों को कुल 1 लाख 5 हजार रुपए की तत्काल आर्थिक सहायता मिली। विधायक ने दुकानदारों से बातचीत कर आग से हुए नुकसान और उनकी मौजूदा आर्थिक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित व्यापारियों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्हें दोबारा कारोबार शुरू करने और अपनी दुकानें व्यवस्थित करने में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को विधायक ने अग्निकांड से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराने और नियमानुसार पीड़ित व्यापारियों को प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर | कलेक्टर रोहित सिसोनिया का दौरा, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

अस्पताल से उद्योगों तक पहुंचे कलेक्टर, हाट बाजार में खरीदे मिट्टी के दीपक

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नवागत कलेक्टर रोहित सिसोनिया ने शुक्रवार को औबेदुल्लागंज विकासखंड के अपने पहले दौरे में विकास की संभावनाओं और जनसुविधाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक विकास और स्थानीय व्यापार से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों, उद्यमियों और छोटे व्यापारियों से सीधा संवाद किया। दौरे के दौरान उनका विशेष जोर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय विकास और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर रहा।

कलेक्टर सबसे पहले औबेदुल्लागंज स्थित शासकीय अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने



स्वास्थ्य सुविधाओं, साफ-सफाई और मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे उपचार की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद शासकीय सांदीपनि विद्यालय पहुंचकर कक्षाओं, प्रयोगशाला और भवन में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया। दौरे के अगले चरण में कलेक्टर मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने विभिन्न उद्योगों के उद्यमियों के साथ बैठक कर औद्योगिक गतिविधियों, मौजूदा इकाइयों के विस्तार और नवीन औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय युवाओं को उद्योगों से जोड़कर रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। औद्योगिक क्षेत्र के विकास और निवेश की संभावनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

योजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर : कलेक्टर ने विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने, निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरे करने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाए।

हाट बाजार में खरीदे मिट्टी के दीपक : दौरे का एक खास नजारा औबेदुल्लागंज के हाट बाजार में देखने को मिला, जहां कलेक्टर ने पथ विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार मिट्टी के दीपक खरीदे और उनका उत्साहवर्धन किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक कारीगरी को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। कलेक्टर के इस पहले दौरे में स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और स्थानीय व्यापार को विकास की महत्वपूर्ण कड़ी मानते हुए जनसुविधाओं के विस्तार, शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिखाई दिया।

दीपों की रोशनी और संस्कारों की सीख से सजा कालापठार स्कूल

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

त्योहारों की खुशियों में जब शिक्षा और संस्कारों का संगम होता है तो उत्सव का आनंद दोगुना हो जाता है। ऐसा ही नजारा शासकीय प्राथमिक शाला कालापठार में देखने को मिला, जहां अवकाश के बावजूद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने धनतेरस पर उत्साहपूर्वक दीपावली मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और आरती से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर रंगोली, पेंटिंग और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो-दो विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम



का संचालन पूर्व छात्रा कंचन अहिरवार ने किया। उन्होंने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व बताया। शिक्षिका कामिनी रघुवंशी ने कविता के माध्यम से मिट्टी के दीपकों का महत्व समझाया। प्रधानाध्यापक पृथ्वी सिंह रघुवंशी ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ने और जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा दी। अंत में सभी विद्यार्थियों को मिठाई वितरित की गई।

लोडिंग वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, 2 लोगों की मौत, 1 गंभीर

ग्वालियर-इटावा नेशनल हाईवे-719 पर बरौही थाना क्षेत्र में हादसा, तीनों युवक इटावा लौट रहे थे

भिंड। । दोपहर मेट्रो

ग्वालियर-इटावा नेशनल हाईवे-719 पर बरोही थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलती ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची

सूचना मिलने पर बरोही थाना प्रभारी अतुल भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरे की गंभीर हालत को



देखते हुए उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

गृह जिले इटावा लौट रहे थे बाइक सवार : पुलिस के अनुसार बाइक सवार 38 वर्षीय जितेंद्र शाक्य पुत्र फूल सिंह शाक्य उम्र 38 निवासी करी की पुलिया जिला इटावा उप्र, 45 वर्षीय प्रमोद शाक्य रामनारायण शाक्य निवासी विष्णुपुर जिला इटावा उप्र और 35 वर्षीय योगेश बंजारा पुत्र परीक्षत बंजारा निवासी बंजारे का डेरा जिला इटावा ग्वालियर से अपने गृह जिले इटावा (उत्तरप्रदेश) लौट रहे थे। इसी दौरान बरोही क्षेत्र में पीछे से आए लोडिंग वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोगों की हो गई भीड़ जमा : हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। यहां डाक्टरों ने जांच के बाद जितेंद्र शाक्य और प्रमोद शाक्य को मृत घोषित कर दिया। जबकि योगेश बंजारा गंभीर रूप से घायल है। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को ग्वालियर रेफर कर दियाा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों के स्वजन को सूचना देने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हादसे के कारणों और टक्कर मारने वाले वाहन के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

वहीं इस मामले में बरोही थाना प्रभारी अतुल भदौरिया का कहना है कि हाईवे पर लोडिंग वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी थी। तीन घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीसरे घायल को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

मुरैना से बोरियों में भरकर ग्वालियर लाई गई 111 किलो मिलावटी मिठाई जब्त

ग्वालियर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिलावट की शिकायत पर हनुमान चौराहा स्थित साईं कृपा स्वीट्स (बालाजी स्वीट्स) पर कार्रवाई करते हुए डेयरी में छापा मारकर 111 किलोग्राम मिठाई जब्त की है। खास बात यह है कि ये मिठाइयां मुरैना में तैयार कर बोरी में भरकर ग्वालियर लाई गई थीं। टीम ने मिठाइयों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। कार्रवाई के दौरान डेयरी में 48 किलोग्राम मिल्क केक, 48 किलोग्राम मलाई बर्फी और 15 किलोग्राम सोनपापड़ी मिली। मिल्क केक और मलाई बर्फी दो-दो छोटी बोरी (कट्टों) में, जबकि सोनपापड़ी एक कट्टे में रखी हुई थी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तीनों मिठाइयों की सैंपलिंग कर उन्हें जब्त किया है। शिकायत मिली थी कि दुकान पर मावा रखा हुआ है। इसके बाद टीम ने जांच की तो पास की डेयरी में मिठाइयों का भंडारण मिला।

न्यूज विंडो

अवैध शराब पर आबकारी विभाग का बड़ा शिकंजा, 24 घंटे में 14 आरोपी गिरफ्तार



धार। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने विशेष अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेश और सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान पिछले 24 घंटे में 26 प्रकरण दर्ज कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी विभाग की टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में होटल, ढाबों, संदिग्ध ठिकानों और प्रमुख मार्गों पर औचक निरीक्षण एवं रात्रि गश्त की। इस दौरान 1592 बल्क लीटर देशी-विदेशी शराब और महुआ लहान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत दो लाख रुपए बताई गई है। सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत दर्ज किए गए हैं। अवैध शराब के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रमुख राजमार्गों, ग्रामीण मार्गों और शहरी सीमाओं पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां दोपहिया, चारपहिया और मालवाहक वाहनों की तलाशी ली जा रही है। विभाग ने होटल और ढाबा संचालकों को भी चेतावनी दी है कि अवैध शराब का सेवन या भंडारण पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी।

डिसेंट स्पोर्ट्स एकेडमी ने निराश्रित बच्चों को बांटे नए कपड़े, मिठाई और ड्रायफ्रूट



धार। दीपावली की असली खुशी दूसरों के जीवन में मुस्कान लाने में है। इसी भावना के साथ डिसेंट स्पोर्ट्स एकेडमी ने पीपलखेड़ा स्थित आनंद हिंदू वात्सल्य आश्रम में निराश्रित बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर एकेडमी के सदस्यों ने बच्चों को नए कपड़े, मिठाई, ड्रायफ्रूट, पटाखे और उपहार भेंट किए। बच्चों ने स्वयं दीप जलाए और फुलझड़ियां चलाकर त्योहार की खुशियां मनाईं। उपहार पाकर उनके चेहरे खिल उठे और आश्रम परिसर खुशियों से जगमगा उठा। एकेडमी अध्यक्ष सचिन बाफना ने कहा कि इन बच्चों का अपना परिवार नहीं है, इसलिए आश्रम और समाज ही उनका परिवार है। इसी भावना से हर वर्ष उनके साथ दीपावली मनाई जाती है, ताकि वे भी त्योहार की खुशियों से वंचित न रहें। कार्यक्रम में सचिव विधि बाफना, मंथन बाफना, अरुण यादव, प्रतीक निगम, काव्य सिसोदिया, प्रवीण राठौड़ सहित एकेडमी के सदस्य उपस्थित रहे। जानकारी राजेश डाबी ने दी।

धार में चार शराब दुकानों के ठेके फिर होंगे नीलाम, 16.29 करोड़ रखा आरक्षित मूल्य

धार। जिले के बाग एकल मदिरा समूह की चार कंपोजिट शराब दुकानों के ठेकों के लिए आबकारी विभाग ने एक बार फिर ई-टेंडर आमंत्रित किए हैं। इनमें बाग क्रमांक-1, बाग क्रमांक-2, टांडा और रिंगनोद की दुकानें शामिल हैं। इन दुकानों के लिए 4 नवंबर को प्राप्त ऑफर को फिलहाल होल्ड पर रखते हुए वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए दोबारा निविदा प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिला निष्पादन समिति द्वारा शासन के निर्धारित नियमों और शर्तों के तहत ई-टेंडर तथा ई-टेंडर कम ऑक्शन के माध्यम से ठेकों का पुनर्निष्पादन किया जाएगा। इन दुकानों की निविदा अवधि 144 दिन निर्धारित की गई है, जबकि चारों दुकानों का कुल आरक्षित मूल्य 16 करोड़ 29 लाख रुपए रखा गया है। इच्छुक निविदादाता 7 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक एमपी टेंडर पोर्टल पर ऑनलाइन ऑफर प्रस्तुत कर सकेंगे। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवश्यक दस्तावेज सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय, धार अथवा एमपी टेंडर पोर्टल से प्राप्त किए जा सकते हैं।

पहले मिले ऑफर होल्ड पर, शेष 144 दिनों के लिए आबकारी विभाग ने दोबारा बुलाए ई-टेंडर; 7 नवंबर दोपहर 1 बजे तक कर सकेंगे आवेदन

गाजी नगर की बस्ती में भीषण अग्निकांड से 50 परिवारों के उजड़े आशियाने

धनतेरस की रात जबलपुर में आग का तांडव, 45 से ज्यादा झोपड़ियां राख

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

धनतेरस की खुशियों के बीच शनिवार देर रात जबलपुर के गोहलपुर थाना क्षेत्र स्थित गाजी नगर की झुग्गी बस्ती में आग ने भारी तबाही मचा दी। रात करीब 2:30 बजे लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और 45 से अधिक झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर बस्ती में भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

घटना की सूचना पूर्व पार्षद सैय्यद ताहिर अली ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग तेजी से फैलती रही। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 4:30 बजे आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन करीब 50 परिवारों की गृहस्थी उजड़ गई। झोपड़ियों के साथ घरेलू सामान भी जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन किया जाना बाकी है। एक सप्ताह में शहर में आगजनी की यह दूसरी बड़ी घटना है।



रात में मची अफरा-तफरी, आग की लपटें देखकर भागे लोग

गाजी नगर की झुग्गी बस्ती में शनिवार देर रात जब आग लगी, उस समय अधिकांश परिवार अपने घरों में सो रहे थे। अचानक उठीं ऊंची लपटों और धुएं के गुबार ने लोगों में दहशत फैला दी। आग तेजी से फैलती देख लोग बच्चों और परिवार के सदस्यों को लेकर घरों से बाहर निकलने लगे। कई परिवारों को अपना सामान तक समेटने का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते आग ने एक के बाद एक झोपड़ियों को चपेट में ले लिया। पूरी बस्ती में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धनतेरस की रात जिन घरों में त्योहार की तैयारियां थीं, वहां कुछ ही देर में तबाही का मंजर दिखाई देने लगा।

दो घंटे तक चला आग बुझाने का अभियान, मौके पर पहुंची पुलिस

गाजी नगर में आग लगने की सूचना मिलते ही पूर्व पार्षद सैय्यद ताहिर अली ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां और पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच गए। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग का फैलाव अधिक होने के कारण राहत और बचाव कार्य में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने भी आग पर काबू पाने के प्रयासों में सहयोग किया। करीब दो घंटे तक चले अभियान के बाद सुबह 4:30 बजे आग बुझाई जा सकी। हालांकि तब तक 45 से अधिक झोपड़ियां जल चुकी थीं। प्रशासन अब नुकसान का आकलन करेगा। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

ग्वालियर में आरएसएस का शताब्दी संकल्प शिविर 4 दिसंबर से, दत्तात्रेय देंगे मार्गदर्शन

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रांत का शताब्दी संकल्प शिविर चार से छह दिसंबर तक ग्वालियर के मेला मैदान में आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रांत के 31 जिलों से करीब तीन हजार महाविद्यालयीन विद्यार्थी सहभागी होंगे।



संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले से तीन दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन मिलने की संभावना है। शिविर के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रबोध, सामाजिक चेतना और संगठनात्मक जीवन के प्रति समझ विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। शिविर की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेला मैदान में कुंभ की तर्ज पर विशाल टेंट सिटी बसाई जाएगी, जहां तीन हजार विद्यार्थियों के ठहरने और अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। शिविर के लिए भूमि पूजन के साथ तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो चुका है। फिलहाल मैदान के समतलीकरण का कार्य किया जा रहा है। व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों का पंजीयन जिला स्तर पर किया जाएगा। शिविर में आने वाले विद्यार्थियों को अपने बिस्तर और बर्तन साथ लाने होंगे। श्रमदान से करेंगे शिविर स्थल को स्वच्छ

शिविर की तैयारियों में स्वयंसेवकों की सहभागिता भी रहेगी। इसके तहत 10 नवंबर को स्वयंसेवक मेला मैदान में श्रमदान करेंगे और कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाएंगे। शिविर स्थल को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के साथ सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया जाएगा।

बच्चों-बुजुर्गों को बांटे वस्त्र, दीपक व मिठाइयां

हर घर दिवाली... जरूरतमंदों के आंगन में बांटी खुशियों की रोशनी



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

दीपावली का पर्व तभी सार्थक होता है, जब इसकी खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचें और हर आंगन में मुस्कान के दीप जलें। इसी भावना के साथ राज्य आनंद संस्थान एवं आनंद विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नरसिंह आनंद क्लब के तत्वावधान में धनतेरस पर ग्रामीण क्षेत्र के भाटिया टोला में 'हर घर दिवाली' महोत्सव आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों और ग्रामीण परिवारों को समाज के विभिन्न लोगों के सहयोग से एकत्रित उपयोगी वस्तुएं एवं वस्त्र वितरित किए गए। इसके साथ ही दीपक, बाती, बिस्किट, टॉफी और मिष्ठान देकर सभी के साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं। उपहार पाकर बच्चों और ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। आयोजन में मुक्ति राय, यमुना विश्वकर्मा, धर्मेंद्र चंदेल, चंद्रिका सोनी, मनीष विश्वकर्मा और सत्यम नेमा ने सक्रिय भूमिका निभाई। शशिकांत मिश्रा, गीता निकुंज परिवार के संस्थापक, पूर्व पार्षद राजा साहू, भाटिया टोला के लोगों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गायत्री सहित अन्य सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों से आयोजन सफल हुआ।

45 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़े गए कटनी में पदस्थ रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

रेलवे में ठेकेदार के कर्मचारियों की नियुक्ति के एवज में रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार वरिष्ठ अनुभाग अभियंता को सीबीआई कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), जबलपुर की टीम ने कटनी के न्यू कटनी जंक्शन में पदस्थ वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (इलेक्ट्रिक-एम) अजयवीर सिंह को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। जबलपुर स्थित सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 12 नवंबर 2026 तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए गए। सीबीआई के अनुसार कटनी निवासी ठेकेदार शशांक कुशवाहा ने अजयवीर सिंह के विरुद्ध रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि रेलवे स्टेशन पर काम करने वाले ठेकेदार



के कर्मचारियों की नियुक्ति के एवज में अधिकारी ने प्रति कर्मचारी 1500 रुपये के हिसाब से कुल 45 हजार रुपये की मांग की थी।

शिकायत के सत्यापन के लिए चार नवंबर को सीबीआई उपनिरीक्षक आयुष कुमार ने स्वतंत्र गवाह की मौजूदगी में जांच की। इसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद पांच नवंबर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा सात के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। सीबीआई ने पांच नवंबर की रात कटनी पुलिस लाइन में स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ट्रैप कार्रवाई की तैयारी की। शिकायतकर्ता के पिता तेजराम कुशवाहा ने 500 रुपये के 90 नोट, कुल 45 हजार रुपये, टीम को उपलब्ध कराए। सीबीआई के मुताबिक, अजयवीर सिंह ने तेजराम कुशवाहा से यह रकम स्वीकार की। तय संकेत मिलते ही टीम ने कार्रवाई कर उसे पकड़ लिया और रिश्वत की रकम बरामद कर ली। गिरफ्तारी के बाद आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद शुक्रवार को उसे सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे 12 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए।

मेट्रो एंकर नेपाल से शुरू हुआ अभियान, 14 साइकिल यात्री तीन हजार किलोमीटर का सफर तय कर देंगे संरक्षण का संदेश

प्रकृति का संदेश लेकर ग्वालियर पहुंचेगी पद्मभूषण डॉ. जोशी की साइकिल यात्रा

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नेपाल के जानकीपुर से शुरू हुई साइकिल यात्रा शनिवार, 7 नवंबर को ग्वालियर पहुंचेगी। पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के नेतृत्व में 2 अक्टूबर को शुरू हुई इस यात्रा में 14 साइकिल यात्री शामिल हैं। यात्रा डबरा के रास्ते शहर की सीमा में प्रवेश करेगी। सुबह करीब 11 बजे यात्री आईटीएम यूनिवर्सिटी पहुंचेंगे, जहां 11:30 बजे विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें यात्री अभियान का उद्देश्य और अब तक के अनुभव साझा करेंगे। इसके बाद यात्रा धौलपुर के लिए रवाना होगी।



करीब 50 से 55 दिन चलने वाली इस यात्रा में लगभग तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। नेपाल के अलावा भारत के सात राज्यों से गुजर रही इस यात्रा के मार्ग में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड शामिल हैं। यात्रा का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व से जोड़ते हुए हवा, मिट्टी, जंगल और पानी के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। विभिन्न स्थानों पर संवाद के माध्यम से यात्रियों द्वारा वैश्विक तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों पर भी चर्चा की जा रही है। अभियान का संदेश है कि प्रकृति जीवन का आधार है और उसका संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है।

2 अक्टूबर को नेपाल से शुरू हुआ सफर

पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के नेतृत्व में साइकिल यात्रा की शुरुआत 2 अक्टूबर को नेपाल के जानकीपुर से हुई थी। इस अभियान में 14 साइकिल यात्री शामिल हैं। करीब 50 से 55 दिनों तक चलने वाली यात्रा में दल लगभग तीन हजार किलोमीटर का सफर तय करेगा। नेपाल से निकलकर यात्रा भारत के सात राज्यों से गुजर रही है। इसका उद्देश्य सीमाओं से परे प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। रास्ते में विभिन्न शहरों और कस्बों में लोगों से संवाद कर पर्यावरण के प्रति उनकी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

आईटीएम के विद्यार्थियों से होगा संवाद

ग्वालियर पहुंचने पर साइकिल यात्रियों का पहला प्रमुख पड़ाव आईटीएम यूनिवर्सिटी होगा। दल के सदस्य सुबह करीब 11 बजे विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। इसके बाद 11:30 बजे विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें यात्री अपनी यात्रा के अनुभव, अभियान के उद्देश्य और पर्यावरण संरक्षण की जरूरत पर विचार साझा करेंगे। संवाद के दौरान हवा, मिट्टी, जंगल और पानी को बचाने के महत्व के साथ जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी जैसी चुनौतियों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के बाद दल धौलपुर के लिए रवाना होगा।

आईओए एथलीट्स कमीशन का गठन



पीवी सिंधू बनीं अध्यक्ष हरमनप्रीत होंगे उपाध्यक्ष मीराबाई-साजन भी चुने गए

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह को कमीशन का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू और तैराक साजन प्रकाश को आईओए की जनरल बॉडी में एथलीट प्रतिनिधि चुना गया है।

रिटर्निंग ऑफिसर संजय के. श्रीवास्तव ने चारों खिलाड़ियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए सिंधू और हरमनप्रीत ही एकमात्र उम्मीदवार थे। इसी तरह, जनरल बॉडी में एथलीट प्रतिनिधियों की दो सीटों के लिए मीराबाई चानू और साजन प्रकाश ने ही नामांकन दाखिल किया था। इस तरह इन चारों पदों के लिए शनिवार को प्रस्तावित चुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वनडे विश्वकप की तैयारियों में जुटा भारत: गिल बोले-

न्यूजीलैंड में खेलने से मिलेगी मदद, गेंदबाजी पर भी राय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम साबित होगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियां विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों से काफी मिलती-जुलती होंगी, जिससे भारतीय टीम को टूर्नामेंट से पहले खुद को बेहतर तरीके से तैयार करने का मौका मिलेगा।

अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए गिल ने कहा कि नवंबर की शुरुआत में न्यूजीलैंड में खेलना भारतीय खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। आमतौर पर भारत दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा दिसंबर-जनवरी में करता है, लेकिन इस बार सीरीज का समय विश्व कप के संभावित मौसम के काफी करीब है। बीसीसीआई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो में गिल ने कहा, यहां की परिस्थितियां विश्व कप में मिलने वाली परिस्थितियों से काफी मिलती-जुलती होंगी। खासकर नवंबर की शुरुआत में यहां खेलना हमारे लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आमतौर पर हम न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर और जनवरी में खेलते हैं, जबकि विश्व कप अक्तूबर और नवंबर में होगा। ऐसे में यह सीरीज हमारे लिए काफी उपयोगी साबित होगी।



रेड बॉल से अभ्यास के लिए पहले पहुंचे गिल

गिल ने बताया कि वह टीम से पहले न्यूजीलैंड पहुंच गए थे, ताकि अतिरिक्त अभ्यास सत्रों के जरिए अपनी बल्लेबाजी पर काम कर सकें। खासतौर पर वह रेड बॉल से अभ्यास करना चाहते थे, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड में अब तक ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा, मैं टीम से जुड़ने से पहले चार-पांच अतिरिक्त अभ्यास सत्र करना चाहता था। इसकी मुख्य वजह रेड बॉल थी। मैं यहां आकर अपनी बल्लेबाजी पर काम करना चाहता था और यह समझना चाहता था कि यहां रेड बॉल किस तरह व्यवहार करती है। मैंने यहां कुछ भारत के लिए मैच खेले हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला है।

गेंदबाजों पर जताया भरोसा

भारतीय कप्तान ने टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की भी तारीफ की। उन्होंने अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़ और अर्शदीप सिंह पर भरोसा जताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियां इन गेंदबाजों की क्षमता के अनुकूल हैं गिल ने कहा, यहां की पिचों पर अच्छा उछाल देखने को मिलता है। ऐसे में अंशुल, आकिब, गुरनूर और अर्शदीप जैसे तेज गेंदबाजों का कौशल इन परिस्थितियों के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

टी20 सीरीज की जीत से टीम का मनोबल बढ़ा

गिल ने इससे पहले खेली गई टी20 सीरीज में भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी सराहना की। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की थी। उन्होंने शुरुआती मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों से वापसी कर जीत हासिल करने को टीम के लिए अहम बताया।

गिल ने कहा कि श्रेयस ने टी20 सीरीज में शानदार नेतृत्व किया। न्यूजीलैंड जैसी परिस्थितियों में शुरुआती तीन मुकाबले जीतना आसान नहीं होता। खासकर पहले और दूसरे टी20 मैच में जिस स्थिति में टीम थी, वहां से वापसी कर जीत हासिल करना खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा, इस तरह की जीत टीम की लय और आत्मविश्वास को पूरी तरह बदल देती हैं। टी20 सीरीज जीतने के बाद फिलहाल टीम के पास अच्छा मोमेंटम है। हमारी तैयारियों से जुड़े कई पहलू सही दिशा में हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम जोरदार वापसी करने की कोशिश करेगी और हम उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी को बताया अपना पसंदीदा कप्तान

सूर्यवंशी को बड़ी जिम्मेदारी देना जल्दबाजी! कप्तानी पर सचिन तेंदुलकर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से कम उम्र में खास पहचान बनाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार बल्लेबाजी और अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में शतक जड़कर उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। महज 15 साल की उम्र में वैभव ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनके लिए खिलाड़ियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। हालांकि, इतनी कम उम्र में उन्हें दलीप ट्रॉफी के लिए पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान बनाए जाने पर महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपनी अलग राय रखी है। उनका मानना है कि वैभव को अभी बड़ी जिम्मेदारियों के बजाय लाल गेंद से खेले जाने वाले क्रिकेट में अनुभव हासिल करने पर ध्यान देना चाहिए।

सचिन तेंदुलकर ने रेडिट पर आयोजित सवाल-जवाब सत्र में वैभव सूर्यवंशी की नियुक्ति को लेकर अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया था कि क्या 15 साल के खिलाड़ी को दलीप ट्रॉफी जैसी बड़ी प्रतियोगिता में उपकप्तान बनाना सही फैसला है? इस पर सचिन ने कहा कि उनके हिसाब से वैभव को इतनी जल्दी उपकप्तान बनाना जल्दबाजी है। उन्हें पहले लाल गेंद से ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए।



बिहार के लिए सिर्फ आठ मुकाबले, फिर मिली बड़ी जिम्मेदारी

वैभव सूर्यवंशी ने बिहार की ओर से केवल आठ लाल गेंद वाले मुकाबले खेले थे, जब उन्हें पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान नियुक्त किया गया। इतनी कम उम्र में इस जिम्मेदारी ने क्रिकेट जगत में चर्चा शुरू कर दी थी। हालांकि, पूर्वी क्षेत्र की चयन समिति ने इस फैसले का बचाव किया था। चयन समिति के मुताबिक, वैभव को उपकप्तान बनाने का उद्देश्य उनके क्रिकेट करियर के विकास में मदद करना था। इस फैसले को टीम में वरिष्ठता या खिलाड़ियों की प्राथमिकता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। वैभव को मैदान पर कप्तानी करने का मौका भी मिला। कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए टीम की अगुवाई की। इस दौरान उन्होंने निर्णय समीक्षा प्रणाली यानी डीआरएस जैसे महत्वपूर्ण फैसलों में भी भूमिका निभाई। उनके फैसलों से जुड़े वीडियो सामाजिक माध्यमों पर खूब चर्चा में रहे। इससे यह भी साफ हुआ कि इतनी कम उम्र में वैभव को मैदान पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने का अवसर मिल रहा है।

हाइयूथ ओलंपिकलो ओपन

देसिंघु ने जीता 200 मीटर फीस्टाइल में कांस्य, दो पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल



किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया।

सहवाग के बेटे आर्यवीर का मैदान पर तूफान!

52 गेंदों में ठोके 70 रन, अंडर-19 एशिया कप में भारत ने नेपाल को 10 विकेट से दी शिकस्त

अल अमीरात।, एजेंसी

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में नेपाल को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के सबसे बड़े हीरो पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग रहे। उन्होंने चौके-छक्कों की बरसात करते हुए महज 52 गेंदों में नाबाद 70 रन ठोक दिए।

आर्यवीर और लक्ष्य ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां- नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.3 ओवर में 128 रन बनाए। जवाब में भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। आर्यवीर सहवाग ने अपनी 52 गेंदों की पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। उनका बेहतरीन साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने दिया। लक्ष्य ने 63 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने 19.1 ओवर में ही भारत को बिना कोई विकेट गंवाए जीत दिला दी।

इससे पहले भारतीय कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ। ईशान सूद ने नेपाल के शुरुआती बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर दबाव बना दिया। उन्होंने प्रसिद्ध जैशी, सूर्यांशु कोइराला और निश्चल छेत्री को आउट किया। इसके बाद नीरज यादव को मनल चौहान ने 20 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। आशीष लुहार और दर्श सोनार ने पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन यशवीर गौड़ ने आशीष को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया।



मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

गुलाबी साड़ी में मीनाक्षी शेषाद्रि का जलवा तमिल गाने पर शानदार डांस से फिर मचाई धूम

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि एक बार फिर अपने शानदार डांस को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने अपनी कला के जरिए अपनी पारिवारिक जड़ों और मातृभाषा तमिल के प्रति प्यार जाहिर किया है। त्योहारों के मौसम में अभिनेत्री ने तमिल भाषा को समर्पित एक खास डांस रील तैयार की है। गुलाबी साड़ी में उनके खूबसूरत अंदाज, शानदार डांस मूव्स और आकर्षक एक्सप्रेशंस ने इस वीडियो को खास बना दिया है। मीनाक्षी ने बताया कि तमिल उनके परिवार की मातृभाषा है। इसलिए उन्हें लगा कि त्योहारों के मौसम में अपनी भाषा को डांस के जरिए समर्पित करना एक अच्छा विचार होगा। उन्होंने इस रील को बनाने के अनुभव को भी बेहद शानदार बताया। अभिनेत्री ने कहा, तमिल मेरे परिवार की मातृभाषा है। इसलिए मुझे लगा कि इस त्योहारों के मौसम में तमिल को समर्पित एक डांस रील बनाना सही रहेगा। इस गर्मी में सैन जोस में इस रोमांटिक और खूबसूरत डांस रील को बनाना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।मीनाक्षी ने इस डांस रील की शूटिंग गर्मियों के दौरान कैलिफोर्निया के सैन जोस में की थी। वीडियो में वह गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने गोल्ड नेकपीस, मैचिंग ईयररिंग्स और चूड़ियां पहनी हैं। बालों में सजा गजरा उनके पारंपरिक लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। डांस के दौरान उनके बेहतरीन मूव्स और चेहरे के भावों ने



मिस इंडिया से बॉलीवुड तक का सफर

मीनाक्षी शेषाद्रि का जन्म झारखंड के मौजूदा धनबाद जिले के सिंदरी में एक तमिल भाषी परिवार में हुआ था। उन्होंने 1981 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर अपने करियर की शुरुआत की और बाद में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। वह हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल रहीं। साल 1995 में शादी के बाद वह अमेरिका के टेक्सास स्थित डलास चली गईं। हालांकि, बाद में उन्होंने मुंबई लौटकर एक बार फिर अपनी रचनात्मक दुनिया से जुड़ने का फैसला किया। मीनाक्षी अक्सर अपने पुराने लोकप्रिय गानों को डांस रील के जरिए दोबारा रीक्रिएट करती रहती हैं। उनकी इन प्रस्तुतियों से प्रशंसकों को उनके पुराने दौर की यादें ताजा करने का मौका मिलता है। इस बार मातृभाषा तमिल के प्रति उनका खास लगाव और शानदार डांस एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है।

अनन्या पांडे पर चढ़ा कभी खुशी कभी गम का खुमार रानी मुखर्जी के शावा-शावा लुक को किया रीक्रिएट

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपने फैशन और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में हैं। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दीपावली पार्टी में अनन्या ने अपने खास अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया। इस दौरान अभिनेत्री ने साल 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के गाने शावा शावा में रानी मुखर्जी के आइकॉनिक लुक को रीक्रिएट किया। सिल्वर-सफेद आउटफिट में अनन्या का अंदाज देखकर फैंस को बॉलीवुड के पुराने दौर की याद आ गई।

अनन्या पांडे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इनमें उनका शानदार फेस्टिव लुक देखने को मिला। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रानी मुखर्जी के शावा शावा वाले लुक और अपनी तस्वीर का कोलाज भी शेयर किया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें वह इसी गाने के मशहूर हुक स्टेप पर डांस करती नजर आईं। अनन्या ने पार्टी के लिए चमकदार सिल्वर-सफेद रंग का शानदार आउटफिट चुना था। उनके लुक में भारी कढ़ाई और सीक्वेंस वर्क वाला ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और मैचिंग स्कर्ट शामिल थी। इसके साथ उन्होंने पारदर्शी दुपट्टा और आकर्षक ज्वेलरी पहनी थी। अभिनेत्री ने अपनी एक तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, आज रात का मूड। उनका यह रेट्रो और ग्लैमरस अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।



मेट्रो बाजार

भारत ने फुट-एंड-माउथ डिजीज सैट-1 से निपटने की तैयारी की तेज, किया राष्ट्रीय अभ्यास का आयोजन

नई दिल्ली । पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने आईसीएआर-राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान एवं सूचना विज्ञान संस्थान (आईसीएआर-निवेदी) के सहयोग से फुट-एंड-माउथ डिजीज (एफएमडी) सीरोटाइप सैट-1 के संभावित खतरे से निपटने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय टेबलटॉप अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित किया। सैट-1 ऐसा वायरस स्ट्रेन है जिसकी भारत में अब तक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अफ्रीका से बाहर पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में इसके प्रसार को देखते हुए इसकी निगरानी बढ़ाई जा रही है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की गई।

डिटेक्ट अर्ली, कन्फर्म फास्ट, कंटेन टुगेदर÷ विषय पर आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य सीमा पार फैलने वाले इस पशु रोग के संभावित प्रवेश की स्थिति में भारत की तैयारियों को मजबूत करना और पशुधन, किसानों की आजीविका तथा देश की पशुधन अर्थव्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस अभ्यास में 25 राज्यों, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और विभिन्न प्रमुख संस्थानों के कुल 83 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें राज्य पशुपालन विभाग, आईसीएआर के संस्थान, पशु रोग निदान प्रयोगशालाएं, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, वैक्सीन निर्माता कंपनियां तथा रक्षा एवं सीमा सुरक्षा एजेंसियां शामिल रहीं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी तीन साल में फोलियो 2.6 गुना बढ़े, रिपोर्ट में दावा

मुंबई । सोने की कीमतों में लगातार आई तेजी के बीच निवेशकों का रुझान गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की ओर तेजी से बढ़ा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, गोल्ड ईटीएफ में निवेश और फोलियो की संख्या में पिछले तीन वर्षों के दौरान इतनी तेज वृद्धि हुई है कि इसने लार्ज-कैप इक्विटी फंडों को भी पीछे छोड़ दिया है। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे लेकर निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि यह रुझान संतुलित एसेट एलोकेशन रणनीति से विचलन का संकेत हो सकता है।



ओम्नीसाइंस कैपिटल द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड ईटीएफ की प्रबंधित संपत्तियों (एयूएम) में वृद्धि इक्विटी फंडों की तुलना में कहीं अधिक रही है। अंतर्निहित परिसंपत्तियों के रिटर्न को समायोजित करने के बाद भी यह स्पष्ट हुआ है कि निवेशक मुख्य रूप से सोने की कीमतों में हुई तेजी के कारण इस वर्ग में अधिक पैसा लगा रहे हैं।

ओम्नीसाइंस कैपिटल के अध्यक्ष एवं मुख्य पोर्टफोलियो प्रबंधक अश्विनी शामी ने कहा कि यह व्यवहार फियर ऑफ मिसिंग आउट (एफओएमओ) यानी तेजी से बढ़ती कीमतों वाले निवेश में पीछे छूट जाने के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य परिसंपत्ति की कीमतें इसी तरह बढ़तीं तो निवेशकों की प्रतिक्रिया भी लगभग ऐसी ही होती। उन्होंने कहा कि गोल्ड ईटीएफ की ओर यह आक्रामक झुकाव एक अनुशासित एसेट एलोकेशन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विचलन को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2023 से अब तक गोल्ड ईटीएफ फोलियो की संख्या 2.6 गुना बढ़ चुकी है। इसके मुकाबले लार्ज-कैप इक्विटी फंडों के फोलियो में केवल 1.3 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। यह अंतर दर्शाता है कि निवेशकों की रुचि हाल के वर्षों में तेजी से सोने की ओर बढ़ी है।

पानी पर खूबसूरती बिखेरता गुलदाउदी का बगीचा



बीजिंग। तस्वीरें चीन के जिआंगसू प्रांत में स्थित कियानदुओ की है, जो इन दिनों अलग-अलग रंग के फूलों से खिल उठा है। यहां पानी से घिरे खेतों में करीब 66 हेक्टेयर में गुलदाउदी और गेंदा के फूल खूबसूरती बिखेर रहे हैं। यह इलाका अपनी अनोखी 'दुओतियान' जल-खेती प्रणाली के लिए प्रसिद्ध है, जहां किसान दलदली जमीन पर मिट्टी के टापू बनाकर फूल उगाते हैं। ऊपर से देखने पर यह 'फूलों का समुद्र' लगता है। अक्टूबर की शुरुआत में शुरू होने वाले इस फूल उत्सव में हर साल हजारों सैलानी पहुंचते हैं। पिछले वर्ष यहां करीब 24 हजार पर्यटक आए थे, इस बार 60 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

न्यूज विंडो

अभिषेक का आरोप-भाजपा समर्थकों ने घर पर हमला किया

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा समर्थकों पर देर रात करीब 2 बजे



उनके घर पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर वीडियो शेयर कर दावा किया कि उनके जन्मदिन पर कुछ लोग हथियार लेकर घर में घुसे और पत्थर फेंके।उन्होंने इसे जान से मारने की साजिश बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। घटना के बाद अभिषेक समर्थकों के साथ कोलकाता के अपने घर के बाहर धरने पर बैठ गए।इस दौरान बीजेपी और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई, जिसमें महिलाओं समेत कई लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैरिकेडिंग की और अतिरिक्त बल तैनात किया।जन्मदिन के पोस्टर लगाने को लेकर शुरू हुआ विवादजानकारी के मुताबिक, कालीघाट स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर समर्थक जन्मदिन के बैनर और पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं से उनकी कहासुनी हो गई। टीएमसी समर्थकों ने आरोप लगाया कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पत्थर और लोहे की छड़ों से हमला किया। वहीं, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

राजस्थान: फरार नरेश मीणा पर पुलिस ने 25 पैसे का इनाम रखा

बारां। राजस्थान के बारां जिले में वनकर्मियों से मारपीट और जनरेटर छुड़ाकर ले जाने के



मामले में फरार चल रहे युवा नेता नरेश मीणा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंडासु ने उनकी गिरफ्तारी पर महज 25 पैसे का इनाम घोषित किया है। उधर, अटरू पुलिस उपअधीक्षक रामानंद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुंदलाई गांव स्थित एक फार्म हाउस पर छापेमारी की। इस दौरान नरेश मीणा तो पुलिस के हाथ नहीं लगे, लेकिन थार गाड़ी में सवार उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का दावा है कि नरेश मीणा दोनों सहयोगियों से आगे चल रहे थे और मौके से भागने में सफल रहे।अटरू पुलिस उपअधीक्षक रामानंद यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नरेश मीणा की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर गुंदलाई गांव स्थित फार्म हाउस पर छापेमारी की गई थी।

झारखंड एचसी का फैसला: सीधी भर्ती वाले दरोगा ही माने जाएंगे

रांची। झारखंड पुलिस में दरोगा से इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति को लेकर लंबे समय से चल रहा वरीयता विवाद अब खत्म हो गया है। झारखंड हाई कोर्ट ने वर्ष 2018 में सीधी भर्ती के जरिए नियुक्त हुए दरोगाओं के पक्ष में फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि सेवा में वरिष्ठता के मामले में सीधी नियुक्ति से आए दरोगा ही वरिष्ठ माने जाएंगे। इस फैसले से राज्य पुलिस में दरोगा से इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की पीठ ने सीधी भर्ती वाले पुलिस अधिकारियों की याचिका स्वीकार करते हुए उनकी वरीयता को सही माना। सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से सिपाही पद से प्रोन्नत होकर दरोगा बने पुलिसकर्मियों और सीधी भर्ती वाले दरोगाओं के बीच वरिष्ठता को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पैराग्वे- राष्ट्रपति पेना पद से हटाए गए, हाउस अरेस्ट हुए

देश का बड़ा बैंक डूबने पर कार्रवाई इससे 30 लाख लोग प्रभावित हुए

असुनसियोन। एजेंसी

पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को शुक्रवार को पद से हटा दिया गया। सीनेट के सभी 44 सदस्यों ने उन्हें हटाने के पक्ष में वोट दिया। इसके बाद पेना को उनके घर में ही 'हाउस अरेस्ट' कर दिया गया है। देश के बड़े बैंक यूएनो के डूबने के बाद उन पर सरकारी पैसे के गलत इस्तेमाल और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। बैंक बंद होने से करीब 30 लाख लोग प्रभावित हुए थे। राष्ट्रपति पद से हटाए जाने के बाद पेना को आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार विरोधी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। तब तक उन्हें घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। इस मामले में पूर्व केंद्रीय बैंक प्रमुख कार्लोस कार्वालो की गिरफ्तारी के आदेश भी दिए गए हैं। उन्हें पेना ने ही इस पद पर नियुक्त किया था। सांसदों का आरोप है कि पेना ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके सरकारी धन के करोड़ों डॉलर यूएनो बैंक में जमा करवाए। इनमें सरकारी पेंशन फंड के 35.5 करोड़ डॉलर भी शामिल थे। आरोप है कि यह रकम तय कानूनी सीमा से ज्यादा थी।



पेना के अपने ही पार्टी के लोग खिलाफ हुए

इस पूरे मामले ने पैराग्वे की राजनीति में बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। पेना की अपनी पार्टी भी उनके खिलाफ हो गई थी और सरकार के चार वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया था। इस विरोध की अगुआई पूर्व राष्ट्रपति और कोलोराडो पार्टी के प्रमुख होरासियो कार्तेस ने की। वे कभी पेना के राजनीतिक गुरु रहे थे। कार्तेस ने ही उन्हें वित्त मंत्री बनाया था और राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन दिया था। लेकिन राष्ट्रपति बनने के बाद पेना ने अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश शुरू कर दी थी।

उपराष्ट्रपति ने संभाली राष्ट्रपति की कुर्सी

पेना को हटाए जाने के बाद उपराष्ट्रपति पेद्रो अलीआना ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वे अगस्त 2028 तक बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे। 52 साल के अलीआना लंबे समय से सत्ता में रही कंजर्वेटिव कोलोराडो पार्टी के नेता हैं।

वेनेजुएलाई युवक हथियारों के साथ व्हाइट हाउस के पास गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास एक वेनेजुएला का युवक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के मुताबिक, उसके पास से तीन बंदूकें और कई कारतूस मिले हैं। डीएचएस ने बताया कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने युवक को वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के बाहर एक कार में संदिग्ध हालत में देखा। पूछताछ में उसने बताया कि उसके सिर में आवाजें आती हैं, जो उसे ट्रम्प को मारने के लिए कहती हैं। दरअसल, जनवरी में अमेरिकी सैनिकों ने वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

गाजियाबाद में धमाका

तहरीक ए मुजाहिदीन ने ली जिम्मेदारी, कहा- भगवा हुकुमत के खिलाफ लड़ाई का एलान



गाजियाबाद। एजेंसी

गाजियाबाद के इंदिरापुरम की वसुंधरा पुलिस चौकी पर बीती रात हुए संदिग्ध धमाके के मामले में कई जांच एजेंसियां जांच में जुटी हुई है। वहीं, एक गाजी नाम से बने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट डाली गई है। इसमे तहरीक ए मुजाहिदीन द्वारा इस धमाके की जिम्मेदारी लेते हुए भगवा हुकुमत के खिलाफ लड़ाई का एलान किया है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस रिजुल कुमार ने एएनआई से फोन पर बातचीत में बताया कि छह नवंबर को रात करीब 9 बजे इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा पुलिस आउटपोस्ट में एक धमाका हुआ। आउटपोस्ट की दो खिड़कियों के शीशे टूट गए और उनमें दरारें आ गईं।

उस समय वहां पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। कांच का एक टुकड़ा लगने से एक डिलीवरी बॉय के सिर में चोट आई, जिसे अस्पताल ले जाया गया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। बम स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है। 'तहरीक-ए-मुजाहिदीन' नामक एक समूह द्वारा सोशल मीडिया पर इस घटना की जिम्मेदारी लेने के दावे के बारे में उन्होंने कहा, 'मामले की जांच की जा रही है। मौके पर बारूद, विस्फोटक या ऐसी कोई अन्य सामग्री नहीं मिली है; डॉग स्क्वॉड की जांच में भी कुछ ऐसा नहीं मिला।'

यह था पूरा मामला

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने की वसुंधरा चौकी में शुक्रवार रात करीब 10 बजे हुए धमाके से दो अलग-अलग कमरों में लगी दो खिड़कियां टूट गई, जबकि दीवार में भी दरार आ गई। धमाका इतना तेज था कि चौकी परिसर में अफरा तफरी मच गई। इस दौरान डिलीवरी बॉय झुलस गया। पुलिस धमाके की वजह एसी में ब्लास्ट होने की बात कह रही है। हालांकि कुछ लोग चौकी में रखे पटाखों में विस्फोट होने की बात कह रहे हैं। पुलिस के आला अधिकारी और अलग-अलग एजेंसी जांच में जुट गई हैं।

नेकां अंतर्कलह: 11 दिन से बागी 15 विधायक 2 घंटे में माने, फारूक बोले-सब ठीक है...

श्रीनगर। एजेंसी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर 27 अक्तूबर से सुलग रही बगावत की चिंगारी 11वें दिन शुक्रवार को ठंडी नजर आई। उमर कैबिनेट के मौजूदा फेरबदल से नाराज 15 विधायकों की पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के गुपकार रोड स्थित आवास पर बंद कमरे में करीब दो घंटे चली मैराथन बैठक में सुलह का रास्ता निकल आया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में असंतुष्टों की बात सुनी गई। निर्दलीयों को बैठक से दूर रखा गया। बातचीत के बाद सभी विधायक पार्टी आलाकमान के साथ बाहर आए। फारूक ने नेकां में अंदरूनी कलह को खारिज किया, कहा- पार्टी एकजुट है। विधायकों की चिंताएं वाजिब हैं, जिन्हें दूर किया जाएगा। पार्टी में डैमेज कंट्रोल के मकसद से असंतुष्ट विधायकों को डॉ. फारूक के आवास पर अहम और निर्णायक चर्चा के



लिए सुबह सुबह 10:00 से 10:30 बजे के बीच बुलाया गया था। इसमें कश्मीर, पीर पंजाल और चिनाब वैली से 15 वरिष्ठ विधायक शामिल हुए। इतनी बड़ी तादाद में पार्टी प्रमुख विधायकों के लामबंद होकर एक मंच पर आने से पार्टी नेतृत्व पर दबाव साफ महसूस किया जा रहा था। आलाकमान ने बैठक से पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यह नेकां का आंतरिक मामला है। ऐसे में निर्दलीय विधायकों को शामिल नहीं किया जाएगा। करीब दो घंटे चली गहन चर्चा के दौरान विधायकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई।

स्मैक तस्करी: छापेमारी करने निकले टाइगर मोबाइल जवान की हत्या

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद जिले में स्मैक तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करने निकले टाइगर मोबाइल के एक जवान की हत्या का मामला सामने आया है। जवान धनेश्वर यादव का शव दो दिन बाद दरधा नदी में मिला। वह गुरुवार देर शाम छापेमारी के लिए निकले थे, लेकिन इसके बाद से लापता थे। घटना काको थाना क्षेत्र के नदियावां के समीप की है। शव मिलने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, टाइगर मोबाइल के जवान धनेश्वर यादव गुरुवार देर शाम स्मैक तस्करी के खिलाफ छापेमारी के लिए निकले थे।

युवक ने आग लगाकर की आत्महत्या, 20 साल की युवती को सुसाइड नोट में ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली । एजेंसी

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक बर्तन बनाने वाली फैक्टरी में शुक्रवार को एक 47 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर का रहने वाला था और अपने पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। पुलिस के अनुसार, संदीप ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने अपनी इस हरकत के लिए एक युवती के साथ अपने रिश्ते के खत्म होने को जिम्मेदार ठहराया है। संदीप अक्सर अपने एक दोस्त के घर जाता था, जहां उसकी दोस्ती दोस्त की 20 वर्षीय बेटी से हुई।

मेट्रो एंकर **2020 में 808 थे, 2025 में 2 हजार से ज्यादा**

रिपोर्ट: मेडिकल डिवाइस से गंभीर नुकसान के मामले 3 गुना बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से मरीजों को होने वाले गंभीर नुकसान के मामलों में पिछले छह साल में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 में ऐसे 808 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 2,176 हो गए। 2020 से अब तक कुल 9,373 गंभीर मामले सामने आए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ये आंकड़े पहली बार सूचना के अधिकार के जरिए सामने आए हैं। सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमीशन के आदेश के बाद आईपीसी ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। गंभीर मामलों में मरीज की जान को खतरा, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने या दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होने जैसी स्थितियां शामिल हैं।



हर साल हजारों शिकायतें, लेकिन बहुत कम मामले सीडीएससीओ भेजे गए

आईपीसी की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, मेडिकल डिवाइस से जुड़ी घटनाओं की जानकारी मिलने के बाद बहुत कम मामलों को आगे की कार्रवाई के लिए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) के पास भेजा गया। तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों में शिकायतों और जांच के लिए भेजे गए मामलों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है।

संदिग्ध डिवाइसों में रोजमर्रा के मेडिकल सामान भी शामिल

आईपीसी की रिपोर्ट में दर्ज घटनाओं में से जिन मामलों को आगे की जांच के लिए भेजा गया, उनमें कई तरह के मेडिकल उपकरण शामिल थे। इनमें सर्जिकल दस्ताने, सिरिंज, यूरिन बैग, प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, कैथेटर और ब्लड प्रेशर मॉनिटर जैसे सामान थे। इसके अलावा दवा छोड़ने वाले स्टेंट, मैकेनिकल वेंटिलेटर और ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट भी सूची में शामिल थे। खास बात यह है कि 2022-23 की सूची में एक पुरुष कंडोम को भी संदिग्ध मेडिकल डिवाइस के तौर पर दर्ज किया गया था।

गंभीर मामलों के आंकड़े अलग से सार्वजनिक नहीं किए जाते थे

आईपीसी देशभर के 775 निगरानी केंद्रों से मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल के बाद होने वाली परेशानियों की जानकारी जुटाता है। इन्हें मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट यानी एमडीएई कहा जाता है। आईपीसी अपनी सालाना रिपोर्ट में ऐसी सभी घटनाओं की कुल संख्या बताता था, लेकिन सीरियस एडवर्स इवेंट यानी एसएई के आंकड़े अलग से जारी नहीं करता था। एक एजेंसी के मुताबिक, केंद्रीय सूचना आयोग के 10 सितंबर के आदेश के बाद उसे 27 अक्टूबर को ये आंकड़े मिले। सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने 11 पन्नों का आदेश जारी कर आईपीसी को गंभीर घटनाओं की जानकारी देने को कहा था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524